RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 185 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 31-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बापू एक व्यक्ति नहीं, सोच हैं : राहुल

6 अंतरिक्ष में जल्द दिखेगा सुपरमून का दिलचस्प नजारा

7 'कोहरा 2' से मोना सिंह ने लिया जिंदगी का सबक

फर्स्ट टेक

केआईए पर 2.77 करोड़ रुपए मूल्य का गांजा जब्त, एक गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) पर शुक्रवार को बैंकॉक से आए एक यात्री से 2.77 करोड़ रुपये मूल्य का गांजा बरामद किया गया। बाद में उसे तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी को स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, आरोपी की पहचान अभी उजागर नहीं की गई है। सीमा शुल्क विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अधिकारियों ने बैंकॉक से आए एक यात्री को रोका और उसके सामान में छिपाकर रखा गया 7.92 किलोग्राम गांजा बरामद किया। अधिकारियों के अनुसार जब्त किए गए गांजे की कीमत 2.77 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है।

अमेरिका भारत को तीन प्राचीन कांस्य मूर्तियां लौटाएगा

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका भारत को तीन प्राचीन कांस्य मूर्तियां लौटाएगा जिन्हें देश के मंदिरों से अवैध रूप से हटा दिया गया था। वाशिंगटन डीसी स्थित स्मिथसोनियन नेशनल म्यूज़ियम ऑफ एशियन आर्ट ने कहा कि तीन मूर्तियां भारत सरकार को वापस की जाएंगी। गहन जांच के बाद इन मूर्तियों के स्रोत का पता लगाया गया और रिपोर्ट में यह कहा गया कि इन मूर्तियों को मंदिरों से अवैध रूप से हटाया गया था। संग्रहालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि भारत सरकार ने मूर्तियों में से एक को दीर्घकालिक ऋण पर देने पर सहमति व्यक्त की है। इस तरह की व्यवस्था के तहत संग्रहालय को वस्तु की उत्पत्ति, उन्हें हटाए जाने और वापसी की पूरी कहानी को सार्वजनिक रूप से साझा करने की अनुमति मिल जाएगी।

इजराइल गाजा की रफा सीमा चौकी को फिर से खोलेगा

यरुशलम/एपी। इजराइल ने शुक्रवार को कहा कि वह गाजा की मिस्र के साथ लगी रफा सीमा चौकी को रविवार को फिर से खोल देगा। करीब दो साल बाद इस चौकी को फिर से खोले जाने से फलस्तीनियों को क्षेत्र में प्रवेश करने और बाहर निकलने की अनुमति मिलेगी। गाजा को सहायता पहुंचाने के समन्वय के लिए जिम्मेदार इजराइली सैन्य इकाई सीओजीएटी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि केवल सीमित आवाजाही की अनुमति दी जाएगी। रफा सीमा चौकी को खोला जाना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा युद्धविराम योजना की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

राहुल गांधी ने पूर्वोत्तर का अपमान किया : शाह

■ जो लोग अवैध रूप से भारत आए हैं, उनकी पहचान कर उन्हें वापस भेजा जाएगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डिब्रूगढ़/धेमाजी/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के अभियान को तेज करते हुए कांग्रेस, विशेष रूप से राहुल गांधी पर पूर्वोत्तर का अपमान करने, चुनावी राजनीति के लिए घुसपैठ को बढ़ावा देने और क्षेत्र के विकास की अनदेखी करने का शुक्रवार को आरोप लगाया।

शाह ने राज्य के अपने दौरे के दौरान 1,715 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण किया। उन्होंने विभिन्न मुद्दों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की प्रशंसा की और लोगों से लगातार तीसरी बार भाजपा को सत्ता में लाने की अपील की।

शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि उन्होंने गणतंत्र दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से आयोजित 'ऐट होम' कार्यक्रम में भेंट किया गया 'गमोसा' पहनने से इनकार कर पूर्वोत्तर का अपमान किया है।

गृह मंत्री ने डिब्रूगढ़ में 'खानिकार परेड ग्राउंड' में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि विदेश से आए अतिथियों समेत सभी गणमान्य लोगों ने सम्मान के प्रतीक के तौर पर 'गमोसा' पहना था, लेकिन राहुल ''एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने इसे पहनने से इनकार कर दिया।'' उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी जो चाहें कर सकते हैं, लेकिन जब तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में है, वह पूर्वोत्तर की संस्कृति का कोई अपमान नहीं होने देगी।'' शाह ने कांग्रेस पर घुसपैठ को ''वोट बैंक की राजनीति के लिए हथियार'' की तरह इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया।

कर्नाटक में बसों और बस स्टैंड पर तंबाकू के विज्ञापनों पर लगा प्रतिबंध

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने शुक्रवार को अधिकारियों को राज्य के चार परिवहन निगमों की बसों और बस स्टैंड पर तंबाकू उत्पादों के सेवन को बढ़ावा देने वाले सभी प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष विज्ञापनों पर रोक लगाने के निर्देश दिए। कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी), बेंगलूरु महानगर परिवहन निगम (बीएमटीसी), उत्तर पश्चिम कर्नाटक सड़क परिवहन निगम (एनडब्ल्यूकेआरटीसी) और कल्याण कर्नाटक सड़क परिवहन निगम (केकेआरटीसी) के प्रबंध निदेशकों को जारी एक पत्र में परिवहन मंत्री ने निर्देश को तत्काल प्रभाव से लागू करने का आदेश दिया। रेड्डी ने कहा, ''जनहित में, मैं निर्देशित करता हूं कि तत्काल प्रभाव से, परिवहन निगमों की बसों या बस स्टैंड पर तंबाकू उत्पादों के सेवन को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा देने वाले कोई भी विज्ञापन प्रदर्शित नहीं किए जाएं।'' उन्होंने निर्देश दिया कि अगर इस तरह के विज्ञापन पहले से ही बसों या बस स्टैंड पर प्रदर्शित हैं, तो उन्हें हटाने के लिए एक विशिष्ट समय सीमा निर्धारित की जानी चाहिए और निर्धारित अवधि के भीतर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए जाने चाहिए।

सड़क सुरक्षा

शुक्रवार को हावेरी जिले की ट्रैफिक पुलिस ने हावेरी में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें लोगों को यातायात नियमों और सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक किया गया।

गोडसे के वारिसों को उचित सबक सिखाया जाएगा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शुक्रवार को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि गांधी जी की स्मृति को मिटाने और राष्ट्र को नष्ट करने की मंशा रखने वाले नाथूराम गोडसे के वारिसों को करारा सबक सिखाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, आइए धार्मिक कट्टरता का नाश करें! आइए महात्मा गांधी का सम्मान करें! विश्व को शांति के मार्ग की शक्ति का प्रदर्शन कर और एकता की भावना को बढ़ावा देकर, हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, जिन्हें गोडसे ने गोलियों से भूना था, प्रत्येक भारतीय के हृदय में अमर रहेंगे!

> "हम महात्मा गांधी की स्मृति को मिटाने व राष्ट्र को नष्ट करने की मंशा रखने वाले गोडसे के वारिसों को करारा सबक सिखाएंगे और हम उस भूमि की रक्षा करेंगे, जहां गांधीजी का जन्म हुआ था।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने किया सवाल

क्या मनरेगा के बाद आरटीआई को खत्म करना चाहती है सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आर्थिक समीक्षा में सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम का फिर से अध्ययन करने की पैरवी किए जाने का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि क्या सरकार मनरेगा के बाद अब इस कानून को खत्म करना चाहती है?

संसद में बृहस्पतिवार को प्रस्तुत वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा में लगभग दो दशक पुराने आरटीआई कानून का फिर से अध्ययन करने की वकालत की गई है, ताकि गोपनीय रिपोर्ट और मसौदों को सार्वजनिक किए जाने से छूट प्राप्त हो।

आर्थिक समीक्षा में यह भी कहा गया कि आरटीआई अधिनियम 2005 का मकसद कभी भी इसे व्यर्थ की जिज्ञासा का जरिया बनाने का नहीं था, न ही इसका मकसद बाहर से बैठकर सरकार के हर छोटे-छोटे काम में दखल देना या उसे नियंत्रित करना था।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आर्थिक समीक्षा ने सूचना का अधिकार अधिनियम की फिर से अध्ययन करने की पैरवी की है। यह सूचना को रोकने के लिए संभावित मंत्री स्तरीय वीटो का सुझाव भी देती है और यह देखने की बात करती है कि क्या नौकरशाहों की सार्वजनिक सेवा से जुड़े रिकॉर्ड, तबादले और स्टाफ रिपोर्ट्स को सार्वजनिक निगरानी से बाहर रखा जा सकता है।'' उन्होंने कहा, ''मोदी सरकार ने व्यवस्थित रूप से आरटीआई अधिनियम को कमजोर किया है। 2025 तक 26,000 से ज़्यादा मामले लंबित हैं।

फलस्तीन की विदेश मंत्री वारसेन अगाबेकियन शाहीन ने कहा

ट्रंप के 'पुनर्निर्माण' विचार का स्वागत, बशर्ते गाजावासियों को लाभ मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। फलस्तीन की विदेश मंत्री वारसेन अगाबेकियन शाहीन ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पट्टी के ''पुनर्निर्माण'' के विचार से फलस्तीन को शायद कोई आपत्ति न हो, लेकिन ऐसा केवल तभी होगा जब ऐसी योजना का लाभ फलस्तीनियों को मिले, न कि उसे उन पर थोपा जाए। शाहीन ने 'पीटीआई वीडियो' को दिए एक साक्षात्कार में यह भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के 'शाति बोर्ड' में भारत की भागीदारी मददगार साबित हो सकती है।

ट्रंप के गाजा पट्टी को 'पश्चिम एशिया का लोकप्रिय स्थान' बनाने के विचार से जुड़े सवाल पर शाहीन ने कहा, ''यह लोकप्रिय स्थान उसके (गाजा) अपने लोगों के लिए होना चाहिए। मेरा मतलब है, क्यों नहीं? अगर यह लोकप्रिय स्थान गाजावासियों, फलस्तीनियों के आनंद लेने के लिए है, तो ठीक है। लेकिन अगर यह फलस्तीनियों के बिना दूसरों के आनंद लेने के लिए है, तो इस पर हमारी ना है।''

उनकी ये टिप्पणियां गाजा के 'पुनर्निर्माण' पर वैश्विक ध्यान केंद्रित होने और ट्रंप द्वारा प्रस्तावित अमेरिकी नेतृत्व वाले 'शांति बोर्ड' के बीच आई हैं।

शांति लाने के ऐसे किसी भी प्रयास का स्वागत करते हुए, शाहीन ने इस बात पर जोर दिया कि गाजा के पुनर्निर्माण के विचार को फलस्तीनी राजनीतिक अधिकारों से अलग नहीं देखा जा सकता।

धोखाधड़ी की शिकायतों के बाद

सरकार ने विंगो ऐप को 'ब्लॉक' किया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने विंगो ऐप को कथित तौर पर उपयोगकर्ताओं के फोन से फर्जी एसएमएस भेजने और उनका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर संदेश आधारित साइबर अपराध करने के आरोप में 'ब्लॉक' कर दिया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय और उसकी साइबर अपराध रोधी एजेंसी, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने एंड्रॉइड ऐप के खिलाफ कई शिकायतें मिलने के बाद यह कार्रवाई की। एजेंसी ने कहा कि ऐप उपयोगकर्ता अनजाने में साइबर अपराधियों द्वारा चलाए जा रहे एसएमएस धोखाधड़ी नेटवर्क में भागीदार बन रहे थे। शिकायतों के बाद, सरकार ने ऐप के नियंत्रण केंद्र को 'ब्लॉक' कर दिया। आई4सी ने बताया कि 1.53 लाख उपयोगकर्ताओं वाले चार टेलीग्राम चैनल और ऐप का प्रचार करने वाले 50 से अधिक यूट्यूब वीडियो भी ब्लॉक कर दिए गए।

सूर्यास्त 31-01-2026 6:20 बजे	सूर्योदय 01-02-2026 6:45 बजे
BSE 82,269.78 (-296.59)	NSE 25,320.65 (-98.25)
सोना 17,422 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 320,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

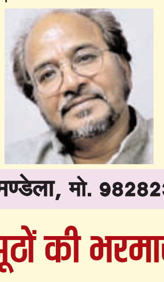

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

झूठों की भरमार

कड़ी सजा का प्रावधान हो,
यदि फर्जी हो एफआइआर।
झूठा होवे यदि गवाह तो,
हो दोषी सम भागीदार।
मगर सबूतों पर आश्रित हैं,
सारे कानूनी हथियार।
कैसे करें फैसला सच पर,
जब हो झूठों की भरमार।।

दुःखद निधन / अंतिम यात्रा

जन्म 10.05.1958

स्वर्गवास 30.01.2026

श्री अमृतराज तलेसरा
(सुपुत्र स्व. श्रीमती मूरीबाई - स्व. श्री केसरीमलजी तलेसरा)
सादड़ी-राणकपुर / बेंगलोर

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे भाई/पिताजी श्री अमृतराज तलेसरा का निधन दिनांक 30.01.2026 शुक्रवार को प्रातः 10.15 बजे बेंगलोर में हो गया है। विधि के विधान के आगे हम सभी नतमस्तक हैं।

अन्तिम यात्रा : आज दिनांक 31.01.2026 , शनिवार प्रातः 11.00 बजे

निवास स्थान से विल्सन गॉर्डन शवदाह गृह प्रस्थान होगी।

निवास स्थान: Akshay Ayush Talesara
Flat No.613, Ranka Park Apartments, No.4-5-6, Near Richmond Circle,
Lalbagh Road, Bangalore-560027
M : Abhishek 9845004841, Ashish 9844057570

शोकाकुल
तिलकराज, बाबूलाल, ललितकुमार, विजयराज, कांतिलाल, अभिषेक, आशीष , अक्षय, अंकित, अश्विन, आयुष, अनुज, आदित्य, सिद्धांत, कुशान, वीरांश, जय, खिवांश एवं समस्त तलेसरा परिवार (सादड़ी-राणकपुर), बेंगलोर

• Vijay Textiles • Faarsh
• Vijay Stones And Marbles • Vijay Bros.
BANGALORE

ससुराल पक्ष : स्व. खीमराजजी हंसराजजी के सुपुत्र स्व. बाबूलालजी, छगनलालजी, अमृतलालजी, स्व. ज्ञानचन्दजी, अशोकजी, श्रेणिकजी, राजेन्द्र, श्रीपाल, पारस, अमित, अभिषेक, विवेक, अंकित, प्रतीक, अमन एवं समस्त बाफना परिवार सादड़ी-राणकपुर /इरोड

कृपया शॉल-माला न लावें

अंडमान स्थित श्री विजय पुरम हवाई अड्डे को अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्री विजय पुरम/भाषा। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह स्थित वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय (वीएसआई) हवाई अड्डे को 50 लाख से कम यात्रियों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डे का पुरस्कार दिया गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अंतर्गत आने वाली अधिकांश सुविधाएं 50 लाख से कम की श्रेणी में आती हैं।

वीएसआई हवाई अड्डे के निदेशक मुनीर मदामपत ने कहा, ''यह एक गौरवपूर्ण क्षण है। इसे संभव बनाने के लिए मैं अपनी टीम को बधाई देना चाहता हूं।'' उन्होंने कहा, ''यह वैश्विक मान्यता इस क्षेत्र में वैश्विक विमानन कंपनियों को आकर्षित करेगी और हवाई संपर्क बढ़ाएगी, पर्यटन विस्तार को बढ़ावा देगी और द्वीप की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करेगी।'' वीएसआई हवाई अड्डे को हैदराबाद में बृहस्पतिवार को आयोजित एशिया के सबसे बड़े नागरिक उड्डयन कार्यक्रम 'विंग्स इंडिया 2026' में यह सम्मान प्राप्त हुआ। इस आयोजन का उद्देश्य डिजाइन से लेकर तैनाती तक, विनिर्माण से लेकर रखरखाव तक, समावेशिता से लेकर नवाचार तक और सुरक्षा से लेकर स्थिरता तक, भारतीय विमानन के भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करना है।

वीएसआई हवाई अड्डे के नए एकीकृत टर्मिनल भवन का उद्घाटन 18 जुलाई, 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया था।

लगातार नौवीं बार बजट पेश कर नया कीर्तिमान स्थापित करेंगी सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी एक फरवरी को लगातार नौवां बजट पेश कर देश के संसदीय इतिहास में एक नया रिकॉर्ड दर्ज करेंगी। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में पेश होने वाले इस बजट से सुधारवादी कदमों के जरिये विकास को गति मिलने की काफी उम्मीदें हैं।

इस उपलब्धि के साथ ही सीतारमण पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के 10 बजट के कुल रिकॉर्ड के बेहद करीब पहुंच जाएंगी। देसाई ने 1959-1964 के बीच छह और 1967-1969 के बीच चार बजट पेश किए थे। हालांकि, लगातार बजट पेश करने के मामले में सीतारमण सबसे आगे रहेंगी। उन्होंने पूर्व वित्त मंत्रियों पी चिदंबरम (9 बजट) और प्रणब मुखर्जी (8 बजट) को भी पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने अलग-अलग कार्यकालों में ये आंकड़े छुए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री के रूप में

सीतारमण अब तक फरवरी, 2024 के अंतरिम बजट सहित लगातार आठ बजट पेश कर चुकी हैं। स्वतंत्र भारत के बजट इतिहास से जुड़े कुछ प्रमुख तथ्य इस प्रकार हैं:

पहला बजट: देश का पहला आम बजट 26 नवंबर, 1947 को पहले वित्त मंत्री आर के षणमुखम चेट्टी ने प्रस्तुत किया था।

सर्वाधिक बजट: मोरारजी देसाई ने जवाहर लाल नेहरू और लाल बहादुर शास्त्री सरकारों के दौरान कुल 10 बार बजट पेश कर शीर्ष स्थान बनाया।

अन्य प्रमुख आंकड़े: पी चिदंबरम ने नौ बार और प्रणब मुखर्जी ने आठ बार बजट पेश किए। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 1991-1995 के दौरान लगातार पांच बजट पेश किए थे।

भाषण की अवधि: सबसे लंबे बजट भाषण का रिकॉर्ड सीतारमण के नाम है, जिन्होंने एक फरवरी, 2020 को दो घंटे 40 मिनट तक भाषण दिया था। वहीं, 1977 का हिरूभाई मुल्जीभाई पटेल का अंतरिम बजट भाषण (800 शब्द) सबसे छोटा रहा है।

समय और तारीख में बदलाव: 1999 से पहले बजट शाम पांच बजे पेश होता था, जिसे यशवंत सिन्हा ने बदलकर सुबह 11 बजे किया। इसी तरह, 2017 से बजट पेश करने की तारीख 28 फरवरी के बजाय एक फरवरी कर दी गई, ताकि एक अप्रैल से नया वित्त वर्ष सुचारू रूप से शुरू हो सके।

वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में 21 जनवरी तक मजबूत वृद्धि रही: गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद इस साल 21 जनवरी तक देश से वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, मंत्री ने इससे संबंधित आंकड़ों का खुलासा नहीं किया।

ग्रेटर नोएडा में 'आईसीएआई वर्ल्ड फोरम ऑफ अकाउंटेंट्स' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा, ''भारत का वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात इस साल 21 जनवरी तक लगातार बढ़ रहा है। मुझे विश्वास है कि कड़ी मेहनत और दृढ़ता के बल पर हम अपने ही रिकॉर्ड तोड़ना जारी रखेंगे और जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे।''

बृहस्पतिवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल दिसंबर में देश का वस्तु निर्यात 1.87 प्रतिशत बढ़कर 38.5 अरब डॉलर रहा था। इस दौरान आयात 8.7 प्रतिशत बढ़कर 63.55 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान देश का वस्तु निर्यात 2.44 प्रतिशत बढ़कर 330.29 अरब डॉलर रहा।

वाणिज्य मंत्रालय को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 में वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात 850 अरब डॉलर के पार निकल सकता है, जो 2024-25 में 825 अरब डॉलर रहा था।

अगले वित्त वर्ष का वृद्धि अनुमान न तो रूढ़िवादी, न ही अधिक आशावादी : सीईए नागेश्वरन

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को कहा कि आर्थिक समीक्षा 2025-26 में अगले वित्त वर्ष के लिए 6.87.2 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि का अनुमान न तो बहुत रूढ़िवादी है और न ही अत्यधिक आशावादी है। उन्होंने कहा कि इस दर से भी बढ़ने पर भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने की स्थिति में रहेगा। हालांकि, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अनुमानित वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष के लिए जारी 7.4 प्रतिशत के पहले अग्रिम अनुमान से थोड़ी कम होगी।

इसके विपरीत, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2026-27 में 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है जबकि विश्व बैंक ने 6.5 प्रतिशत और एशियाई विकास बैंक ने 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। नागेश्वरन ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि किसी आंकड़े को रूढ़िवादी या आशावादी मानना वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर भी निर्भर करता है। उन्होंने कहा, पहले थोड़ा रूढ़िवादी अनुमान लगाने और फिर वास्तविकता के आधार पर उसे समायोजित करने का हमारा तरीका कारगर साबित होता रहा है। इस लिहाज से 6.8-7.2 प्रतिशत का दायरा सही और संतुलित है।

आर्थिक वृद्धि की राह में मौजूद प्रमुख बाधाओं के तौर पर सीईए ने भू-राजनीतिक जोखिम, निजी ऋण में वृद्धि की रफ्तार और वित्तीय बाजारों के जोखिम का उल्लेख किया। उन्होंने रुपए की कीमत में गिरावट को मौलिक कारकों के अनुरूप न बताते हुए कहा कि इसे आकर्षक अवसर के रूप में देखा जा सकता है। नागेश्वरन ने कहा, ''हमारे बुनियादी कारक बहुत मजबूत हैं और रुपया पूंजीगत प्रवाह से जुड़ी चिंताओं के कारण गिर रहा है। अगर अमेरिका के साथ व्यापार अनिश्चितता खत्म होती है तो पूंजी प्रवाह मजबूत होगा और स्थिति सुधरेगी।''

सरकार 'सभी के लिए न्याय' सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध: यूजीसी नियम विवाद पर भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के विवादास्पद समानता नियमों पर कोई टिप्पणी करने से परहेज किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि वह किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी।

पार्टी के राज्यसभा सदस्य और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में इस नियम के बारे में पूछे जाने पर कहा कि सरकार ''सभी के लिए न्याय'' सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध है। उच्चतम न्यायालय ने जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए यूजीसी द्वारा पारित हालिया समानता विनियमों पर बृहस्पतिवार को रोक लगा दी। न्यायालय ने कहा कि ढांचा ''प्रथम दृष्टया अस्पष्ट'' है, तथा इसके ''बहुत व्यापक परिणाम हो सकते हैं और अंततः यह समाज को ''खतरनाक प्रभाव'' के साथ विभाजित कर सकता है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने टिप्पणी की कि विनियमों में ''कुछ अस्पष्टताएं'' हैं और ''उनके दुरुपयोग की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।'' शीर्ष अदालत ने कहा कि विनियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं में कानून के महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए गए हैं। इसने विचार के लिए ऐसे चार प्रश्न निर्धारित किए। इस मुद्दे पर भाजपा का दृष्टिकोण पूछे जाने पर त्रिवेदी ने कहा, ''चूंकि मामला शीर्ष अदालत में विचाराधीन है और न्यायालय ने स्थगन आदेश जारी किया है, इसलिए इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं है।''

वायदा कारोबार में चांदी, सोने की कीमतों में रिकॉर्ड स्तर से बड़ी गिरावट

नई दिल्ली/भाषा। वायदा कारोबार में शुक्रवार को चांदी और सोने की कीमतों में पिछले कुछ महीनों में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट देखी गई, जहां निवेशकों में अपने बढ़ते निवेश मूल्य को भुनाने की होड़ देखने को मिली। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुझानों और अमेरिकी मुद्रा में तेजी के कारण चांदी का वायदा भाव 17 प्रतिशत घटकर 3.32 लाख रुपए प्रति किलोग्राम रह गया, जबकि सोना नौ प्रतिशत गिरकर 1.54 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में, मार्च माह में डिलिवरी वाले चांदी वायदा का भाव 67,891 रुपए, या 16.97 प्रतिशत घटकर 3,32,002 रुपए प्रति किलोग्राम रह गया, जो एक दिन में इसकी सबसे बड़ी गिरावट है।

बृहस्पतिवार को चांदी की कीमत लगभग नौ प्रतिशत बढ़कर 4,20,048 रुपए प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद यह 3,99,893 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई।

इसी तरह, सोने के वायदा भाव में भी गिरावट आई क्योंकि निवेशकों ने जिंस एक्सचेंज में भारी मुनाफावसूली की। इसके फरवरी माह में डिलिवरी वाले अनुबंध की कीमत 15,246 रुपए, या नौ प्रतिशत टूटकर 1,54,157 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई।

बृहस्पतिवार को, सोने की कीमत लगभग नौ प्रतिशत बढ़कर 1,80,779 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद एमसीएक्स पर यह 1,69,403 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई।

ज्ञान, विनम्रता एवं निःस्वार्थ सेवा की भावना को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनायें : नायब सिंह सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को युवाओं से ज्ञान, विनम्रता और निस्वार्थ सेवा की भावना को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया। सैनी ने कहा कि ये मूल्य भारत के महान गुरुओं के सच्चे संदेश और मार्गदर्शक मार्ग का सार हैं।

यहां श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज के 61वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है। इस कार्यक्रम सिखों के 10वें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह के जीवन, शिक्षाओं और सर्वोच्च बलिदानों को समर्पित था।

सैनी ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह को याद करने से एक ऐसे निडर योद्धा-संत की छवि उभरती है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन मानवता, धर्म और न्याय के लिए समर्पित कर दिया।

उन्होंने कहा, ''गुरु जी ने दुनिया को सिखाया कि सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया जा सकता, चाहे इसके लिए जान ही क्यों न देनी पड़े। आत्मसम्मान और नैतिक साहस शाश्वत हैं।''

ऑनलाइन तरीके से होने वाली भर्तियों के चलते फर्जी डिग्री को लेकर नियोक्ताओं की चिंता बढ़ी : रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। कार्यालय और घर दोनों जगह से काम करने (हाइब्रिड) की संस्कृति और अलग-अलग शहरों से हो रही भर्तियों के कारण, कर्मचारियों के ब्योरे की केवल एक बार होने वाली जांच अब काफी नहीं लग रही है। शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, 74 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने फर्जी डिग्री और जाली दस्तावेजों को अपनी सबसे बड़ी चिंता बताया है।

कार्यबल और मानव संसाधन समाधान प्रदाता कंपनी 'जीनियस एचआरटेक' की रिपोर्ट के अनुसार, अब जब कंपनियां दूरदराज के इलाकों से बड़े पैमाने पर भर्तियां कर रही हैं और घर से काम करने का मॉडल (हाइब्रिड) सामान्य हो गया है, तो कर्मचारी की केवल एक बार की जाने वाली शुरुआती जांच अब काफी नहीं मानी जा रही है।

दौरा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने पदभार संभालने के बाद गोवा के अपने पहले दौरे के दौरान शुक्रवार को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक की अध्यक्षता की। गोवा के दो दिवसीय दौरे पर आए नवीन सुबह मोपा में मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे और मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, भाजपा की गोवा इकाई के अध्यक्ष दामोदर नाइक और अन्य पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। बाद में वह पणजी में भाजपा मुख्यालय पहुंचे। कार्यकर्ताओं को अपने संक्षिप्त संबोधन में नवीन ने सभी को स्वागत के लिए धन्यवाद दिया और कोर कमेटी की बैठक में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने पार्टी नेताओं को 30 मिनट से अधिक समय तक संबोधित किया। पार्टी की कोर कमेटी में मुख्यमंत्री सावंत, नाइक, मंत्रीगण और चुनिंदा पदाधिकारी शामिल हैं।

यूरोपीय संघ के साथ एफटीए से भारतीय निर्यातकों को मिलेगा बड़ा बाजार : मूडीज

नई दिल्ली/भाषा। मूडीज रेटिंग्स ने कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ व्यापार समझौता भारत को अपने व्यापारिक संबंधों में विविधता लाने में मदद करेगा। साथ ही अमेरिकी शुल्कों के कारण बढ़ती अनिश्चितता के बीच निर्यातकों को व्यापक बाजार तक पहुंच मिलेगी। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की घोषणा 27 जनवरी को की गई थी। इसके इसी साल हस्ताक्षरित और लागू होने की संभावना है। मूडीज ने कहा, ''भारत के लिए, यह समझौता व्यापारिक संबंधों को चुनिंदा रूप से विविधतापूर्ण बनाने के उसके प्रयासों को दर्शाता है। यह अमेरिका के शुल्क बढ़ाने से पैदा होने वाली व्यापारिक अस्थिरता के खिलाफ बचाव प्रदान करता है।'' इसमें कहा कि यूरोपीय संघ के लिए यह समझौता तेजी से बढ़ते भारतीय बाजार तक पहुंच बढ़ाकर आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करता है।

मासिक धर्म स्वास्थ्य जीवन के अधिकार का हिस्सा : सुप्रीम कोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में मासिक धर्म स्वास्थ्य को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और गरिमा के अधिकार का अभिन्न हिस्सा घोषित किया है। अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे देश के सभी स्कूलों में छात्राओं को निःशुल्क, मानक अनुरूप और जैविक रूप से अपघटनीय सैनिटरी पैड उपलब्ध कराएं तथा लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग, कार्यात्मक शौचालय सुनिश्चित करें।

यह आदेश न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने दिया। अदालत ने कहा कि मासिक धर्म से जुड़ी स्वच्छता सुविधाओं की कमी छात्राओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और गरिमा को प्रभावित करती है और यह लैंगिक समानता के अधिकार के भी विरुद्ध है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि ये निर्देश सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी सभी स्कूलों पर समान रूप से लागू होंगे। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित प्रत्येक स्कूल में छात्राओं के लिए निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। अदालत ने कहा कि सैनिटरी पैड शौचालय परिसर में वेंडिंग मशीनों के माध्यम से या स्कूल के भीतर किसी निर्धारित स्थान पर सुलभ कराए जाएं, ताकि छात्राओं को किसी प्रकार की असुविधा या संकोच न हो।

शौचालयों के संबंध में अदालत ने कहा कि प्रत्येक विद्यालय में लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग, सुरक्षित और कार्यात्मक शौचालय होने चाहिए। इनमें पानी की सतत आपूर्ति, हाथ धोने के लिए साबुन और स्वच्छता की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। साथ ही, शौचालयों का डिजाइन इस प्रकार हो कि छात्राओं की गोपनीयता बनी रहे और दिव्यांग बच्चों की आवश्यकताओं का भी ध्यान रखा जाए। पीठ ने शिक्षा के अधिकार का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि मासिक धर्म के दौरान आवश्यक सुविधाओं के अभाव में कोई छात्रा स्कूल नहीं जा पाती है, तो यह उसके शिक्षा के अधिकार और समान अवसर के अधिकार का उल्लंघन है। अदालत ने इसे एक ऐसी प्रणालीगत बाधा बताया, जो किशोरियों को लड़कों के समान शर्तों पर शिक्षा प्राप्त करने से रोकती है।

महात्मा गांधी के नाम से जुड़ा कानून नहीं चाहते प्रधानमंत्री: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर नया कानून लाए जाने के विरोध में शुक्रवार को यात्रा निकाली और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऐसा कोई कानून नहीं चाहते जिसके साथ महात्मा गांधी नाम का जुड़ा हो। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर, पार्टी के 'मनरेगा बचाओ संग्राम' के तहत कांग्रेस के पुराने मुख्यालय '24 अकबर रोड' से गांधी स्मृति तक के लिए यह यात्रा निकाली, हालांकि पुलिस ने कुछ दूरी पर उन्हें रोक दिया। इसमें महासचिव जयराम रमेश, अजय माकन, कांग्रेस के दिल्ली प्रभारी काजी मोहम्मद निजामुद्दीन, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव और कई अन्य नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

इस मौके पर रमेश ने कहा, ''मोदी सरकार ने बुलडोजर चलाकर मनरेगा अधिनियम को रद्द कर दिया। मनरेगा ऐतिहासिक और क्रांतिकारी अधिनियम था जो सितंबर 2005 को सर्वसम्मति से पारित हुआ था।'' उन्होंने कहा कि मनरेगा कानून संवैधानिक हक था, लोगों के पास रोजगार की कानूनी गारंटी थी और इस कानून से पंचायतें मजबूत हुईं। रमेश ने दावा किया कि कानून रद्द कर दिया गया, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नहीं चाहते हैं कि महात्मा गांधी के नाम से जुड़ा कानून ज्यादा समय तक चले और लोगों को उनका हक मिले। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, ''हम मोदी सरकार द्वारा मनरेगा के खिलाफ उठाए गए इस कदम का डटकर मुकाबला कर रहे हैं। जो सरकार देश के किसानों, मजदूरों और युवाओं का अपमान करे, वह सत्ता में ज्यादा दिनों तक नहीं रह सकती।'' देवेंद्र यादव ने कहा, ''मनरेगा की लड़ाई देश के आम गरीब नागरिकों के रोजगार और हक की लड़ाई है, जिसे कांग्रेस पूरे देश में लड़ रही है। कांग्रेस की सरकार में गरीबों को हक मिला था- इज्जत और सम्मान के साथ रोटी कमाने का, गांव में रहकर काम करने का, जिससे उनके गांव का विकास हो। नरेन्द्र मोदी ने उसे खत्म कर दिया है।''

अजित पवार के राजनीतिक उत्तराधिकारी को लेकर चर्चा तेज, सभी की नजर सुनेत्रा पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

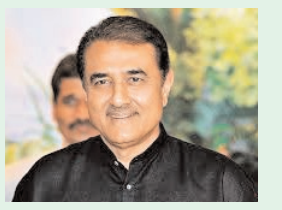

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र के दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा के पार्टी विधायक दल की नई नेता बनने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इस महत्वपूर्ण पद पर रिक्ति भरने से पहले परिवार की सहमति लेनी होगी। पटेल ने यह टिप्पणी पार्टी के कुछ नेताओं के उन बयानों के बाद की है कि राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा के राकांपा विधायक दल की नई नेता और साथ ही उपमुख्यमंत्री बनने की संभावना है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री पटेल ने कहा कि फिलहाल प्राथमिकता उपमुख्यमंत्री और राकांपा विधायक दल के नेता के रिक्त पदों को भरना है। दोनों पद अजित पवार के पास थे जिनकी 28 जनवरी को विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। उन्होंने कहा कि शीर्ष संगठनात्मक पद (दिवंगत अजित पवार पार्टी अध्यक्ष भी थे) पर नियुक्ति करना फिलहाल कोई मुद्दा नहीं है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पार्टी नेताओं ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर उन्हें जानकारी दी है कि सत्तारूढ़ 'महायुति' में घटक राकांपा अपने नेतृत्व परिवर्तन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। पटेल ने कहा,''अजित पवार राकांपा विधायक दल के नेता और सत्तारूढ़ महायुति के एक महत्वपूर्ण पदाधिकारी थे। हम नेतृत्व परिवर्तन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं।'' उन्होंने कहा कि राकांपा विधायक दल के नेता के रूप में अजित पवार के स्थान पर सुनेत्रा पवार के नाम का विरोध करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। सुनेत्रा पवार वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं और राज्य विधानसभा के किसी भी सदन की सदस्य नहीं हैं। हालांकि, अजित पवार के निधन के बाद पुणे जिले की बारामती विधानसभा सीट रिक्त हो गई है। पटेल ने कहा, ''जनता और पार्टी की भावनाएं एक जैसी हैं। हमें (अजित पवार के) परिवार से (महत्वपूर्ण नियुक्तियों के बारे में) बात करनी होगी, पहले उनसे (मंजूरी के लिए) अनुरोध करना होगा।''

सिद्दरामय्या और शिवकुमार के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट को लेकर कांग्रेस ने की शिकायत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बारे में अपमानजनक सामग्री पोस्ट करने को लेकर भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। कांग्रेस की कानूनी प्रकोष्ठ के अधिवक्ता एन नरेंद्र ने बृहस्पतिवार को अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई की ओर से सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक अपमानजनक तस्वीर पोस्ट की गई थी।

शिकायत के अनुसार, भाजपा की ओर से 29 जनवरी को एक पोस्ट किया गया था जिसमें सिद्दरामय्या, शिवकुमार और अन्य मंत्रियों को विकृत और दुर्भावनापूर्ण तरीके से दर्शाने वाली एक संपादित तस्वीर थी। भाजपा पर आरोप है कि तस्वीरों को 'घोटाले के भगवान' नामक शीर्षक के तहत छेड़छाड़ करके पेश किया गया था। भाजपा ने तस्वीर के साथ पोस्ट में लिखा, यह कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के घोटाले के साम्राज्य की असली कहानी है जो दिन-रात कर्नाटक को लूट रही है!!''

शिकायतकर्ता ने कहा कि सार्वजनिक रूप से सम्मानित और संवैधानिक दर्जा प्राप्त व्यक्तियों की तस्वीरों को जानबूझकर संपादित किया गया और बिना किसी सबूत के अश्लील और भ्रामक तरीके से प्रस्तुत किया गया। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि 'लूट' और 'घोटाला' जैसे शब्दों का इस्तेमाल राज्य सरकार को बदनाम करने, नफरत भड़काने और सार्वजनिक शांति भंग करने के उद्देश्य से किया गया था। नरेंद्र ने आरोप लगाया कि यह पोस्ट डिजिटल मीडिया के माध्यम से चरित्र हनन के समान है और इसका उद्देश्य समाज में भ्रम और अशांति पैदा करना है।

उन्होंने उक्त 'एक्स' अकाउंट को चलाने वाले और अपमानजनक सामग्री पोस्ट करने के लिए जिम्मेदार सभी व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। नरेंद्र ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है और अब वे इसे दर्ज कराने के लिए अदालत का रुख करने की योजना बना रहे हैं।

राज्यपाल के वार्षिक अभिभाषण की परपंरा पर पुनर्विचार जरूरी : सुरेश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ विधायक सुरेश कुमार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य विधानमंडल में राज्यपाल के वार्षिक अभिभाषण की परंपरा और उसकी आज के समय में प्रासंगिकता पर पुनर्विचार किए जाने की जरूरत है। इस परंपरा को 'औपनिवेशिक गुलामी' करार देते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक को इस सवाल पर राष्ट्रीय स्तर पर बहस शुरू करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए कि क्या यह परंपरा जारी रहनी चाहिए।

सुरेश कुमार ने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए यह बात कही। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 22 जनवरी को राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र के दौरान सरकार द्वारा तैयार अभिभाषण पढ़ने से इनकार कर दिया था और मात्र तीन पंक्तियों में अपना पारंपरिक संबोधन समाप्त कर दिया था, जिस पर कांग्रेस सरकार ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। राज्यपाल ने केंद्र सरकार के संदर्भ में तथा संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के कार्यकाल की महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को 'रद्द' किए जाने से जुड़ी कथित आलोचनात्मक टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए पूरा अभिभाषण पढ़ने से इनकार किया था। कुमार ने कहा, राज्यपाल द्वारा संयुक्त सत्र को संबोधित करना अब एक वार्षिक औपचारिकता बनकर रह गया है। आज राज्यपाल के अभिभाषण का महत्व, उद्देश्य और गरिमा समाप्त होती जा रही है। जयचामराजेंद्र वाडियार के बाद कर्नाटक में अब तक 18 राज्यपाल रहे हैं। इनमें धर्म वीर जैसे कुछ राज्यपाल आज भी याद किए जाते हैं, जबकि कुछ अन्य अवांछित कारणों से याद किया जाता है, जिसके बारे में मैं ज्यादा खुलकर नहीं कहना चाहता।

उन्होंने कहा कि भारत ने इंग्लैंड की 'वेस्टमिंस्टर' प्रणाली को अपनाया है, जहां राजा या रानी संसद को संबोधित करते हैं। उन्होंने आगे कहा, लेकिन हमारे संविधान निर्माताओं ने ऐसी स्थिति की कल्पना नहीं की थी, जहां राज्यपाल के अभिभाषण को लेकर टकराव पैदा हो। ठीक वैसे ही, जैसे भारतीय दंड संहिता बनाते समय साइबर अपराधों की कल्पना नहीं की गई थी। भाजपा विधायक ने स्पष्ट किया कि यह उनकी व्यक्तिगत राय है और यह पार्टी के रुख को नहीं दर्शाती।

उन्होंने कहा, राज्यपाल के अभिभाषण की परंपरा पर पुनर्विचार जरूरी है। क्या हमें इसे जारी रखना चाहिए? क्या यह आज प्रासंगिक है? उन्होंने कहा, हम राज्यपाल को विधानसभा में बुलाते हैं, उनसे 'मेरी सरकार' कहकर भाषण पढ़वाते हैं। सरकार अभिभाषण तैयार करती है और हम विपक्ष उसकी आलोचना करते हैं। अंततः इससे राज्यपाल के पद की गरिमा को ठेस पहुंचती है।

विधायक ने कहा कि राज्यपाल के भाषण में असल में सरकार की पिछले एक साल की उपलब्धियों के बारे में बात होनी चाहिए और आने वाले साल के लिए उसकी नीतियों की रूपरेखा होनी चाहिए, लेकिन आजकल राज्यपाल के भाषण में राजनीतिक रंग आ गया है।

रियल एस्टेट कंपनी के चेयरमैन अपने कार्यालय में मृत मिले, आत्महत्या का संदेह

बेंगलूरु। रियल एस्टेट कंपनी 'कॉन्फिडेंट ग्रुप' के संस्थापक और चेयरमैन सी.जे. रॉय शुक्रवार को यहां अपने कार्यालय में मृत मिले। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस को संदेह जताया है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है। हालांकि, उसने कहा कि मौत के कारणों की सटीक जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मिल पाएगी। सूत्रों के मुताबिक गोली चलने की आवाज आने पर रिचमंड सर्कल के पास स्थित कार्यालय के कमरे में बाकी कर्मचारी पहुंचे जहां वह लाइसेंसी बंदूक से चली गोली से जख्मी मिले।

सोशल मीडिया पर नफरती फैलाने वाली सामग्री साझा करने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

उडुप्पी। कर्नाटक में सोशल मीडिया पर कथित तौर पर नफरत फैलाने वाली सामग्री साझा करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान ब्रह्मवर के वरम्बली के निवासी संतोष कुमार शेट्टी (56) और कोटेश्वर निवासी के. नागराज (62) के रूप में हुई है। शेट्टी कुंडापुर में शिक्षक सहकारी बैंक का प्रबंधक है जबकि नागराज 'कल्पतरु इंडस्ट्रीज' का संचालक हैं।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

ई-निविदा सूचना सं: 26-CWS-MYSS-2025-26 दिनांक: 24.01.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
अंडर फ्रेम के एलएचबी फ्रंट पॉर्ट का प्रतिस्थापन के लिए होल्डर और ट्रॉली का सेट (मात्रा: 02 सेट)	रु. 38,41,954.70

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 16.02.2026, 10:30 बजे तक

ई-निविदा सूचना सं: 25-CWS-MYSS-2025-26 दिनांक: 27.01.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
आईसीएफ कोचों में एक्सल बॉक्स क्लीनिंग और एक्सल बॉक्स पेंटिंग कार्य।	रु. 11,42,198.72

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 17.02.2026, 15:30 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

उप मुख्य कार्यशाला व्यवस्थापक/केंद्र कार्यशाला मैसूरु
PUB/853/AAF/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

ई-निविदा सूचना सं: Y-E-29-2025-26-83 दिनांक: 22.01.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
सकलेशपुर और सुब्रमण्या रोड डिपो विभाग के अंतर्गत दो साल की अवधि के लिए नव विद्युतीकृत सकलेशपुर - येडमंगला विभाग में ओएचई और पीएसआई रखरखाव गतिविधियों की आउटसोर्सिंग।	रु. 4,26,74,869.42

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 13.02.2026, 11:00 बजे तक

ई-निविदा सूचना सं: Y-E-29-2025-26-84 दिनांक: 23.01.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
मैसूरु और चित्रदुर्ग डिपो के अधिकार क्षेत्र में प्लेटफॉर्म पर स्टैंडर्ड कैंटिलीवर व्यवस्था का प्रावधान।	रु. 49,60,941.92

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 16.02.2026, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर कर्षण विनियोग/मैसूरु
PUB/851/AAF/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

मंत्री रेड्डी और आईटी दिग्गज मोहनदास पई के बीच सार्वजनिक परिवहन को लेकर छिड़ी बहस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने निजी ऑपरेटरों की भूमिका को लेकर आईटी उद्योग के दिग्गज टी. वी. मोहनदास पई के साथ सोशल मीडिया पर हुई बहस के बीच राज्य सरकार द्वारा संचालित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और सरकार की शक्ति' योजना का बचाव किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन कोई विलासिता नहीं, बल्कि नागरिकों का अधिकार है।

यह तीखी बहस तब शुरू हुई जब इंफोसिस के पूर्व मुख्य वित्त अधिकारी मोहनदास पई ने बसों की कमी और सार्वजनिक परिवहन के अभाव का आरोप लगाते हुए मंत्री से निजी बसों को सेवा देने की अनुमति देने का अनुरोध किया। पई ने बृहस्पतिवार देर रात 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पिछले तीन वर्षों से बसों की कमी और सार्वजनिक परिवहन का अभाव है। (पहले भी था) कृपया निजी बसों को सेवा देने की अनुमति दीजिए।''

आईटी उद्योग के इस दिग्गज ने रेड्डी पर केवल पीएसयू (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम) ही काम करते हैं जैसी कट्टर सोच के चलते पर्याप्त सार्वजनिक परिवहन सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल रहने का आरोप लगाया। आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए रेड्डी ने राज्य परिवहन निगमों का बचाव किया और पई को सार्वजनिक बहस की चुनौती दी।

परिवहन मंत्री ने कहा कि पई का नजरिया केवल पक्षपाती ही नहीं, बल्कि मूल रूप से ''कट्टर'' है। उन्होंने कहा, ''आप (पई) सार्वजनिक सेवा को बैलेंस शीट की नजर से देखते हैं, जबकि मैं इसे 1.5 करोड़ नागरिकों की जरूरत के रूप में देखता हूं।'' राज्य सरकार की 'शक्ति' योजना का उल्लेख करते हुए रेड्डी ने दावा किया, ''हम महिलाओं के लिए 650 करोड़ से अधिक मुफ्त यात्राएं पूरी कर चुके हैं। यह सिर्फ एक 'योजना' नहीं, बल्कि भारत के इतिहास में गतिशीलता के माध्यम से सबसे बड़ा आर्थिक सशक्तिकरण है।'' रेड्डी ने यह भी दावा किया कि मुनाफा घटते ही निजी ऑपरेटर अपना कारोबार बंद कर देते हैं। इससे बेंगलूरु के उस आम आदमी को क्या फायदा होगा जो दिहाड़ी मजदूर के तौर पर काम करता है? उन्होंने कहा, ''निजी एकाधिकार गरीबों पर भारी बोझ बन जाएगा। सार्वजनिक परिवहन एक अधिकार है, विलासिता नहीं। हमारे सार्वजनिक उपक्रम यहां रहने, सेवा देने और कर्नाटक का नेतृत्व करने के लिए हैं।''

भाजपा ने फलस्तीनी फिल्मों को प्रदर्शित करने की मांग को लेकर प्रकाश राज को आड़े हाथों लिया

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 17वें बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (बीआईएफएफ) के दौरान फलस्तीनी फिल्मों को प्रदर्शित करने की मांग करने पर शुक्रवार को अभिनेता प्रकाश राज को आड़े हाथों लिया। कर्नाटक सरकार ने बीआईएफएफ के लिए प्रकाश राज को सद्भावना दूत नामित किया है। प्रकाश राज ने भारत में फलस्तीनी फिल्मों पर प्रतिबंध लगाने के लिए केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा था, केंद्र सरकार इस साल बीआईएफएफ में फलस्तीनी फिल्मों के प्रदर्शन की अनुमति नहीं दे रही है। यह क्या है? हमें इसका विरोध कैसे करना चाहिए? बीआईएफएफ के सद्भावना दूत के रूप में मैं मुख्यमंत्री सिद्धरमैया से अनुरोध करता हूं कि वे इस पर ठोस निर्णय लें। प्रकाश राज ने फलस्तीनी सिनेमा के समर्थन में एक कविता पढ़ी और सरकार से सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के राजनीतिकरण का विरोध करने का आग्रह किया। भाजपा विधायक महेश तेंगिनाकाई ने प्रकाश राज की आलोचना करते हुए सवाल किया कि वह पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदू नरसंहार पर बनी फिल्मों को प्रदर्शित करने की मांग क्यों नहीं कर रहे हैं।

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने शहीद दिवस मनाया

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। यहां के गदग रोड स्थित 'रेल सौधा' में पूरी श्रद्धा के साथ शहीद दिवस मनाया। इस मौके पर, दक्षिण पश्चिम रेलवे के जनरल मैनेजर, मुकुल सरन माथुर ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ महात्मा गांधी और देश के लिए अपनी जान देने वाले सभी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखा। हर साल 30 जनवरी को भारत 'शहीद दिवस' मनाता है। यह दिन महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के रूप में मनाया जाता है।

बाद में, महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने रेल सौधा के मुख्य प्रवेश हॉल में एक कलात्मक इंस्टॉलेशन 'कला संग्रह' का भी उद्घाटन किया। कला संग्रह इंस्टॉलेशन और इससे जुड़े सौंदर्यीकरण कार्यों की अवधारणा और पहल दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के प्रधान वित्तीय सलाहकार रमाह देवी जी. वी. द्वारा की गई थी। कला संग्रह के तहत प्रदर्शित जीवंत भित्ति चित्र भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को खूबसूरती से दर्शाते हैं, जो देश की विविधता और कलात्मक परंपराओं को दर्शाते हैं और आगंतुकों को भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के माध्यम से एक शानदार दृश्य यात्रा प्रदान करते हैं। इस कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त जनरल मैनेजर पी. अनंत विभागों के प्रधान प्रमुख, अन्य वरिष्ठ अधिकारी और दक्षिण पश्चिम रेलवे के कर्मचारी उपस्थित थे।

कर्नाटक सरकार एआई, सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग के संबंध में परामर्श कर रही : मंत्री प्रियंक खरगे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री प्रियंक खरगे ने शुक्रवार को विधानसभा को बताया कि राज्य सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और सोशल मीडिया का विशेष रूप से बच्चों के बीच जिम्मेदार उपयोग सुनिश्चित करने के लिए उठाए जाने वाले उपायों के संबंध में परामर्श कर रही है। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री सुरेश कुमार ने बच्चों के सोशल मीडिया, जिसमें अश्लील सामग्री भी शामिल है, के समय से पहले संपर्क में आने पर चिंता व्यक्त की थी। मंत्री ने उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों के जवाब में यह बात कही।

विधायक ने ऑस्ट्रेलिया द्वारा हाल ही में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया मंचों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का हवाला दिया और केंद्र सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण में भी सोशल मीडिया तक पहुंच के लिए आयु सीमा निर्धारित करने पर जोर देने का जिक्र किया। बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के सुझावों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार द्वारा बृहस्पतिवार को संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि ऑनलाइन मंचों तक उम्र आधारित पहुंच पर विचार किया जाना चाहिए और साथ ही डिजिटल लत से बचने के लिए ऑनलाइन शिक्षण को भी कम किया जाना चाहिए।

खरगे की सदन में उपस्थिति की ओर इशारा करते हुए कुमार ने कहा, ऑस्ट्रेलिया ने एक बहुत ही गंभीर निर्णय लिया है कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया के संपर्क में नहीं आना चाहिए। बृहस्पतिवार को लोकसभा में प्रस्तुत रिपोर्ट (आर्थिक सर्वेक्षण) में भी बच्चों के समय से पहले सोशल मीडिया के संपर्क में आने पर चिंता व्यक्त की गई है। उन्होंने बच्चों के अश्लील सामग्री के संपर्क में आने पर भी चिंता व्यक्त की।

मंत्री खरगे ने वरिष्ठ विधायक द्वारा उठाए गए मुद्दे को ''गंभीर मामला'' माना। उन्होंने कहा, ''फिनलैंड ने भी कार्रवाई की है, ब्रिटेन इस पर विचार कर रहा है, ऑस्ट्रेलिया द्वारा प्रतिबंध लगाए हुए कुछ महीने हो गए हैं। हम भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग के लिए क्या किया जाना चाहिए, इस संबंध में परामर्श कर रहे हैं।''

दक्षिण पश्चिम रेलवे

प्रपत्र 10-01
भारतीय रेलवे
सार्वजनिक अधिसूचना

यह सूचित किया जाता है कि दक्षिण पश्चिम रेलवे के अधीन नीचे वर्णित क्षेत्र में स्थित रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को ज्ञात हो कि 25000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज एसी सिंगल फेज ओवरहेड ट्रैक्शन तार निर्दिष्ट तिथि या उसके बाद विद्युतीकृत किए जाएंगे। उक्त तिथि से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हमेशा **जीवित (लाइव)** माना जाएगा, और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवरहेड लाइन के निकट न जाए तथा उसके आसपास कोई कार्य न करे।

खंड	संभावित विद्युतीकरण तिथि
दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु डिवीजन के अंतर्गत होसूर (एचएसआरए) स्टेशन पर रोड सड़क संख्या - 4 (मालगाड़ी लाइन) के लिए 25 केवी, 50 हर्ट्ज, एसी, सिंगल फेज़ - ओवरहेड उपकरण का विद्युतीकरण	15.02.2026

नं: E/GSU/SBC/E-Gazette
तारीख: 14.01.2026
स्थान: बेंगलूरु PUB/846/AAF/PRB/SWR/2025-26
उप मुख्य विद्युत अभियंता गति शक्ति यूनिट, बेंगलूरु

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

LUCKNOW SMART CITY LIMITED
(CIN:-U74999UP2015SGC085631)
Regd. Office: In front of Lalbagh Girls Inter College, Lalbagh, Lucknow.-226001
e-mail: lkosmartcity@gmail.com, website : www.lucknowsmartcity.com

REF/NIT. : 686/GM/P/LSCL/Health ATM/25-26 Date: 30/01/2026

REQUEST FOR PROPOSAL (RFP)
SELECTION OF SERVICE PROVIDER FOR OPERATION AND MAINTENANCE OF 90 NOS. OF THE HEALTH ATM'S INSTALLED BY LSCL

Lucknow Smart City Limited invites online proposal from reputed firms for **"Operation and Maintenance of 90 NOS. of the Health ATM'S installed by LSCL under Smart City Mission"**.

Tender document with all other details can be downloaded from www.etender.up.nic.in from 31st January 2026.

The last date for submission of proposal is 23rd February 2026 till 1500 hrs. Technical Proposal will be opened on 23rd February 2026 at 1630 hrs.

For all further corrigendum/addendums in this regard, please regularly visit www.etender.up.nic.in

GENERAL MANAGER (PROJECT)

ನಗರಸಭಾ ಕಾರ್ಯಾಲಯ ಮಾದನಾಯಕನಹಳ್ಳಿ
ಬೆಂಗಳೂರು ಉತ್ತರ ತಾಲ್ಲೂಕು, ಬೆಂಗಳೂರು ನಗರ ಜಿಲ್ಲೆ-562123
ದೂರವಾಣಿ ಸಂಖ್ಯೆ: 080-23718487
ಇ-ಮೇಲ್: itstaff_ulb_mnhalli@yahoo.com

ಸಂಖ್ಯೆ: ಮಾ.ನ.ಕಾ/ತಾ.ಶಾ/ಸಿ.ಆರ್/43/2025-26 ದಿನಾಂಕ: 30-01-2026

ಟೆಂಡರ್ ಪ್ರಕಟಣೆ
(Through GOK e-Procurement Portal www.kppp.karnataka.gov.in only)

ಮಾದನಾಯಕನಹಳ್ಳಿ ನಗರಸಭಾ ವ್ಯಾಪ್ತಿಯಲ್ಲಿ ನಗರಸಭಾ ನಿಧಿ ಅಡಿಯಲ್ಲಿ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಕಾಮಗಾರಿಗಳನ್ನು ಕೈಗೊಳ್ಳಲು ಇ-ಪ್ರಕ್ಯೂರ್‌ಮೆಂಟ್ ವೇದಿಕೆಯಡಿಯಲ್ಲಿ ಅರ್ಹ ಹಾಗೂ ಅನುಭವವುಳ್ಳ ಸಿವಿಲ್ ಗುತ್ತಿಗೆದಾರರು (ಸ್ಟ್ಯಾಂಡರ್ಡ್ ಟೆಂಡರ್ ಡಾಕ್ಯೂಮೆಂಟ್‌ನಂತೆ) ಕಾಮಗಾರಿಗಳಿಗೆ ಟೆಂಡರ್‌ಗಳನ್ನು ಸಲ್ಲಿಸಬಹುದಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಹೆಚ್ಚಿನ ವಿವರಗಳನ್ನು ಕಛೇರಿಯ ವೇಳೆಯಲ್ಲಿ ತಾಂತ್ರಿಕ ಶಾಖೆಯಿಂದ ಪಡೆಯಬಹುದಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಇಂಡೆಂಟ್ ಸಂಖ್ಯೆ: Indent No: 54548, Indent No:54549 ಇ-ಪ್ರೊಕ್ಯೂರ್‌ಮೆಂಟ್ ಮೂಲಕ ಅರ್ಜಿ ಸಲ್ಲಿಸಲು, ನಮೂನೆಗಳನ್ನು ಆನ್‌ಲೈನ್‌ನಲ್ಲಿ ಪಡೆಯಲು, ಹಾಗೂ ಆನ್‌ಲೈನ್ ಮೂಲಕ ಭರ್ತಿಮಾಡಿದ ನಮೂನೆ ಮತ್ತು ಇ.ಎಂ.ಡಿ ಠೇವಣಿಯನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸುವ ಅವಧಿ ದಿನಾಂಕ: 16.02.2026 ಸಂಜೆ 5.30 ಗಂಟೆಯವರೆಗೆ ಹಾಗೂ ಸಲ್ಲಿಸಿರುವ ಟೆಂಡರ್‌ಗಳ ತಾಂತ್ರಿಕ ಬಿಡ್ ತೆರೆಯುವ ದಿನಾಂಕ 18.02.2026 ಬೆಳಗ್ಗೆ 11.00 ಗಂಟೆಗೆ.

ಸದರಿ ಟೆಂಡರ್‌ಗೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದಂತೆ ಯಾವುದಾದರು ತಿದ್ದುಪಡಿಗಳಿದ್ದಲ್ಲಿ ಇ-ಪ್ರೊಕ್ಯೂರ್‌ಮೆಂಟ್ ಪೋರ್ಟ್‌ಲ್‌ನಲ್ಲಿ ಮಾತ್ರ ಪ್ರಕಟಿಸಲಾಗುವುದು.

ಸಹಿ/-
ಪೌರಾಯುಕ್ತರು,
ನಗರಸಭೆ, ಮಾದನಾಯಕನಹಳ್ಳಿ

ವಾಸಾಸಂಇ/ವಾಪ್ರ/5300/ಸ್ಕ್ಯಾನ್/2025-26

मंत्री ने एमएसएमई से कामगारों को सम्मानजनक वेतन देने की अपील की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने शुक्रवार को उद्योगों, विशेष रूप से एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मंझोले उद्यमों) से अपील की कि वे बेंगलूरु में श्रमिकों को ऐसा वेतन दें जिससे वह एक सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित कर सके।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित 'एमएसएमई और रोजगार के अवसर' विषयक सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए पाटिल ने इस क्षेत्र में कम वेतन पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे कुशल श्रमशक्ति की उपलब्धता के बावजूद कामगारों के काम छोड़ देने की उच्च दर का कारण बताया। उन्होंने पूछा, ''मैंने ऐसे कई मामले देखे हैं जहां कर्नाटक के द्वितीय और तृतीय श्रेणी वाले क्षेत्रों के कुशल एवं योग्य कर्मचारी कम वेतन के कारण वहां से नौकरी छोड़कर अपने पैतृक स्थानों पर लौट गए। कलबुर्गी का कोई व्यक्ति मात्र 20,000 रुपये के मासिक वेतन पर यहां कैसे गुजारा कर सकता है?''

एक संवाद सत्र के दौरान यह मुद्दा तब उठा जब कई एमएसएमई मालिकों ने कुशल श्रमिकों की कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि मौजूदा कर्मचारी बड़ी कंपनियों में जाने के लिए नौकरी छोड़ रहे हैं। चिकित्सा शिक्षा और कौशल विकास राज्य मंत्री ने कहा कि एमएसएमई कर्नाटक और पूरे देश में रोजगार के सबसे बड़े सृजनकर्ता हैं, लेकिन कम वेतन के कारण प्रतिभा को बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

मंत्री ने कहा, ''मैं एमएसएमई से तकनीकी क्षेत्र द्वारा प्रदत्त वेतन के समान तनख्वाह देने के लिए नहीं कह रहा हूं, लेकिन कर्मचारियों को बेंगलूरु में सम्मान के साथ जीवन यापन करने के लिए उनके कौशल और प्रतिभा के अनुरूप उचित वेतन मिलना चाहिए।'' पाटिल ने माना कि उद्योगों को विविध कौशल वाले श्रमिकों की आवश्यकता है। उन्होंने सीआईआई को आश्वासन दिया कि उनका विभाग एमएसएमई की जरूरतों को पूरा करने के लिए क्षेत्र-विशिष्ट रोजगार मेलों का आयोजन करेगा।

ए-12039/01/2025-स्था. III
भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

विज्ञापन सं/डीएसटी/01/2026-स्था.III

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में संपदा अधिकारी (7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के वेतन स्तर 08 में) के '01' (एक) पद को प्रतिनियुक्ति (अल्पकालिक संविदा (आईएसटीसी) सहित) के आधार पर भरने के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। पात्र अभ्यर्थियों को सर्वप्रथम वैध ईमेल आईडी का प्रयोग करके ऑनलाइन पोर्टल https://recruitment.dst.gov.in/ पर **ऑनलाइन** आवेदन करना है। आवेदन करने हेतु ऑनलाइन पोर्टल एम्प्लॉयमेंट न्यूज/रोजगार समाचार में विज्ञापन के प्रकाशन की तारीख से **45 दिनों** की अवधि के लिए उपलब्ध रहेगा। इसके उपरांत, अवर सचिव, भारत सरकार या समकक्ष रैंक के अधिकारी द्वारा साक्ष्यांकित विगत पांच वर्षों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्टों/वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों तथा इन पांच वर्षों में प्राप्त एसीआर/एपीएआर ग्रेडिंग के सारांश पत्र के साथ, सफलतापूर्वक ऑनलाइन भेजे गए आवेदन प्रपत्र की हार्ड कॉपी जो अभ्यार्थी द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित हो, उचित माध्मय से अनिवार्य रूप से अग्रेषित किया जाना चाहिए ताकि वह **ऑनलाइन पोर्टल के बंद होने की अंतिम तारीख** से 30 दिन (सुदूर क्षेत्रों अर्थात असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, लद्दाख, लाहौल और स्पीति जिला तथा हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के पांगी उप-मंडल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए 45 दिन) के भीतर **पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट द्वारा** इस विभाग को प्राप्त हो जाए। ऐसे संगठनों/संस्थानों में कार्यरत अभ्यर्थी (अन्यथा आवेदन करने के लिए पात्र) जिनके पास एपीएआर/एसीआर रिकॉर्ड करने की प्रणाली नहीं है, अपने आवेदनों पत्रों के साथ अपने संगठन/संस्थान प्रमुख द्वारा विधिवत प्रमाणित विगत पांच वर्षों का कार्य विवरण तथा ग्रेडिंग उचित माध्यम से प्रस्तुत करें ताकि वह **ऑनलाइन पोर्टल के बंद होने की अंतिम तारीख** से 30 दिनों (दूरस्थ क्षेत्रों के अभ्यर्थियों के लिए 45 दिन) के भीतर **पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट द्वारा** इस विभाग को प्राप्त हो जाए। आवेदन प्रक्रिया और अन्य सामान्य शर्तों और अपेक्षाओं के लिए कृपया हमारी वेबसाइट (www.dst.gov.in) के प्रशासन और वित्त अनुभाग के अंतर्गत भर्ती प्रकोष्ठ वेबपेज पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन देखें।

(लिली पाल)
अवर सचिव, भारत सरकार

CBC 36101/11/0013/2526

संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन पर राज्य सरकार संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेहिता के साथ आमजन की हर परिवेदना के निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 के माध्यम से भी जनता की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। शर्मा इस हेल्पलाइन का समय-समय पर निरीक्षण कर रहे हैं, ताकि परिवादियों को त्वरित राहत मिले। इसी कड़ी में शर्मा ने शुक्रवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने हेल्पलाइन के माध्यम से आमजन से सीधा संवाद किया। शर्मा ने उनसे आत्मीयता से बात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा अधिकारियों को उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने आमजन से राज्य सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का फीडबैक भी लिया।

शर्मा से कोटपूतली-बहरोड़ के मोहम्मदपुर नंगलिया खोहरी निवासी पिंकी यादव ने दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने के लिए निवेदन किया। इसी तरह डूंगरपुर के बोड़ीगामा छोटा गांव से जितेन्द्र ने जाति प्रमाण पत्र तथा मूल निवास प्रमाण पत्र नहीं बनने के संबंध में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। वहीं प्रतापनगर, जयपुर की निवासी लाजवंती ने मूल निवास प्रमाण पत्र बनाने के संबंध में निवेदन किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इनकी समस्याओं का समाधान कर राहत देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री को रतनगढ़ चूरू के भोजासर से किशनलाल ने मकान का पट्टा जारी नहीं होने तथा ग्राम पंचायत स्तर पर लंबित होने की जानकारी दी। किशनलाल ने शर्मा से शीघ्र पट्टा जारी करवाने का आग्रह किया। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इनके मकान का पट्टा जारी करने के लिए निर्देशित किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली, शिकायत पंजीकरण की प्रणाली तथा फॉलो-अप प्रक्रिया की पूरी जानकारी ली। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए संपर्क पोर्टल पर आ रही समस्याओं की अधिक से अधिक मॉनिटरिंग हो, जिससे परिवादी की समस्या का समयबद्ध निस्तारण हो सके। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जनसेवा को सर्वोपरि मानते हुए राज्य सरकार कार्य कर रही है। इसी दिशा में 181 हेल्पलाइन के माध्यम से आमजन घर बैठे अपनी समस्या दर्ज करवाकर उसका शीघ्र समाधान प्राप्त कर रहे हैं।

फर्जी फॉर्म-7 के मुद्दे को लेकर विधानसभा में हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

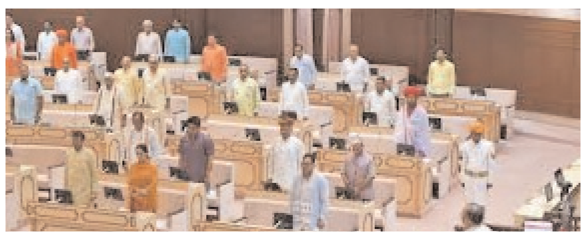

जयपुर। राजस्थान में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान कथित तौर पर बड़ी संख्या में फर्जी फार्म-7 दिए जाने के मुद्दे को लेकर शुक्रवार को विधानसभा में हंगामा हुआ, जिसके कारण सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। शून्यकाल में कांग्रेस के विधायक ने इस मुद्दे को उठाना चाहा तो संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने इस पर एतराज जताया। मंत्री के अनुसार यह राज्य अथवा राज्य सरकार से संबंधित विषय नहीं है इसलिए इस पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती। इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए तथा हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।

बाद में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि वह इस मुद्दे पर सदन में चर्चा कराने के बारे में विधि विशेषज्ञों की राय के बाद फैसला लेंगे। कांग्रेस के विधायक जाकिर हुसैन गैसावत ने मकराना विधानसभा क्षेत्र में 14 से 19 दिसंबर के बीच प्राप्त फर्जी फॉर्म-7 की जांच करने व धरने के बावजूद सूची छिपाने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करने का मुद्दा पर्ची के जरिए उठाना चाहा।

जैसे ही हुसैन ने बोलना शुरू किया संसदीय कार्य मंत्री मंत्री जोगाराम पटेल ने आपत्ति जताई। पटेल ने कहा कि विधायक ने पर्ची के जरिए उठाने के लिए जो विषय रखा है वह विषय नियमों व कायदे से यहां रखा ही नहीं जा सकता, क्योंकि यह न तो राजस्थान सरकार का विषय है न ही राजस्थान सरकार से जुड़ा कोई विषय है। पटेल ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद-324 के तहत निर्वाचक नामावली से जुड़े काम निर्वाचन आयोग के अधीन आते हैं। मतदाता सूची बनाना, उसमें संशोधन, नाम जोड़ना या काटना ये सारे अधिकार निर्वाचन आयोग के पास है।

संसदीय कार्य मंत्री ने इस संबंध में अन्य नियमों का जिक्र करते हुए कहा कि यह राज्य सरकार की विषय वस्तु में नहीं आता है, और जो विषय राज्य सरकार का है ही नहीं उसे किसी भी तरह से विधानसभा में उठाया नहीं जा सकता। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि जब मामला पर्ची के माध्यम से उठ गया है और सदन के अध्यक्ष की अनुमति से उठ गया तो संसदीय मंत्री कौन से नियमों की बात कर रहे हैं।

जूली ने कहा, हम तो पर्ची के माध्यम से यह पूछ रहे हैं कि जो आवेदन आए वे कहां से आए और उसकी जांच होगी या नहीं। हम तो चाहते हैं कि सरकार उसकी जांच करवा ले। इसको लेकर संसदीय कार्य मंत्री व नेता प्रतिपक्ष में तीखी नोक-झोंक हुई। मंत्री ने कहा कि इस विषय को यहां नहीं उठाया जा सकता। जूली ने इस मामले की जांच करवाने की मांग की। दोनों ओर के विधायक बोलने लगे तो विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही भोजनावकाश से पांच मिनट पहले दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

बाद में जब सदन की बैठक शुरू हुई तो जूली ने अध्यक्ष देवनानी से आग्रह किया कि चुनाव सुधारों के मुद्दे पर लोकसभा में हाल ही में चर्चा हुई है तथा उसके अनुसार यहां आधे घंटे की चर्चा करवाई जा सकती है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि ऐसी चर्चा नियमों के अनुसार इस सदन में नहीं हो सकती। अध्यक्ष देवनानी ने कहा, मैं विधि विशेषज्ञों व संसदीय सचिवालय से चर्चा कर इस पर निर्णय करूंगा। इसके बाद सदन में आगे की नियमित कार्यवाही हुई।

राजस्थान में सरकारी स्कूलों के 3,768 भवन जर्जर स्थिति में : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सरकारी स्कूलों के 3,768 भवन जर्जर हालत में पाए गए हैं। राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को विधानसभा में यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि झालावाड़ में सरकारी स्कूल भवन के एक हिस्से के गिरने से सात बच्चों की मौत हो गई थी।

इसके बाद राज्य भर के सरकारी स्कूलों के भवनों का जिला स्तरीय सर्वेक्षण करवाया गया। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक संदीप शर्मा के एक प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि जिलाधिकारियों के माध्यम से करवाए गए जिला-स्तरीय सर्वेक्षण के अनुसार राज्य के 3,768 स्कूल भवन जर्जर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि उक्त सर्वेक्षण में 3,768 विद्यालयों के भवनों को जर्जर चिन्हित किया था। इसमें से 2,558 को जर्जर घोषित किया जा चुका है। शेष 1,210 भवनों को जर्जर घोषित किया जाना है। इन विद्यालयों के भवनों को ध्वस्त करने की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। मंत्री के अनुसार उक्त सर्वेक्षण के अनुसार 45,365 राजकीय विद्यालयों में से 41,178 विद्यालयों में व्यापक स्तर पर मरम्मत कार्य की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि राज्य मद (वर्ष 2025-26) अंतर्गत 2,000 राजकीय विद्यालयों के लिए मरम्मत कार्य हेतु 17497.51 लाख रुपये स्वीकृत किये गये हैं।

इसके अलावा जिलाधिकारियों द्वारा बाढ़/अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त विद्यालय भवनों के लिए राज्य आपदा मोचन कोष (एसडीआरएफ) में 20,383 विद्यालयों की मरम्मत के कार्य स्वीकृत है। विभाग द्वारा जिन 3,768 विद्यालयों के भवनों को जर्जर चिन्हित किया गया है उनसे प्रथम चरण में 1,680 विद्यालयों में नए भवन के लिए 1998.24 करोड़ रुपये के प्रस्ताव शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को स्वीकृति हेतु भेजे गए हैं।

राजस्थान के कई इलाकों में आज से बारिश का अनुमान

जयपुर। एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान के कई इलाकों में शनिवार से बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 31 जनवरी को राज्य के अजमेर, कोटा, जयपुर, भरतपुर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के जिलों में आकाशीय बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। एक और दो फरवरी को भी उत्तरी व पूर्वी राजस्थान के अजमेर, कोटा, जयपुर व भरतपुर संभाग में आकाशीय बिजली के साथ कहीं-कहीं हल्की या मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान जोधपुर, बीकानेर संभाग के अधिकांश भागों में मौसम के मुख्यतः शुष्क रहने का अनुमान है।

इस बीच राज्य में कड़ाके की सर्दी का दौर जारी है। शनिवार सुबह कई इलाकों में कोहरा छाया रहा।

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान योजना की राज्य स्तरीय एपेक्स कमेटी की बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, अंतरविभागीय समन्वय एवं प्रगति की समीक्षा के लिए राज्य स्तरीय एपेक्स कमेटी की बैठक शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने की। बैठक में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा पीएम जनमन योजना के अंतर्गत राज्य में संचालित विभिन्न हस्तक्षेपों की विस्तृत प्रगति से अवगत कराया गया। मुख्य सचिव ने बैठक में निर्देश दिए कि पीएम जनमन योजना के सभी हस्तक्षेपों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ सहारिया जनजाति के जीवन स्तर में स्थायी सुधार लाया जाए। उन्होंने कहा कि यह योजना सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

बैठक में बताया गया कि राजस्थान में विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूह के रूप में केवल सहारिया जनजाति निवासरत है, जो मुख्यतः बारां जिले के किशनगंज एवं शाहबाद ब्लॉकों में केंद्रित है। जिले में सहारिया जनसंख्या लगभग 1.30 लाख है, जो 424 बसावटों एवं 324 राजस्व ग्रामों में निवास करती है। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान योजना के अंतर्गत सहारिया परिवारों को बुनियादी सुविधाओं से संतृप्त करने की दिशा में ठोस प्रगति दर्ज की गई है। बैठक में पक्के आवास निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए बताया गया कि चयनित मॉडल ग्रामों में आवासीय सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया गया है। बारां जिले के भवतीपुरा जैसे ग्रामों में मॉडल कॉलोनियों का निर्माण कर सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराया गया है, जिससे सहारिया परिवारों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।सड़क संपर्कता के क्षेत्र में पीएमजीएसवाई के अंतर्गत सहारिया बहुल 39 बसावटों को जोड़ने के लिए सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। विभिन्न ग्रामों को जोड़ने वाली सड़कों के निर्माण से आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आजीविका के अवसरों में सुधार आया है। स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के माध्यम से दूरस्थ बसावटों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं तथा नियमित चिकित्सा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

बैठक में शिक्षा से जुड़े हस्तक्षेपों की भी समीक्षा की गई। सहारिया विद्यार्थियों के लिए छात्रावासों का निर्माण एवं संचालन किया जा रहा है, जिससे उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकें। विद्युतिकरण के क्षेत्र में बताया गया कि जिले में 17,633 लक्षित परिवारों में से 16,023 परिवारों को बिजली कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं और शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।जल जीवन मिशन के अंतर्गत सहारिया परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। अधिकांश बसावटों में 100 प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराए जा चुके हैं। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण एवं संचालन के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया गया है।

आजिविका संवर्धन के लिए वन धन विकास केंद्रों की स्थापना की गई है, जहां स्व-सहायता समूहों को आजिविका से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त बहुउद्देशीय केंद्रों का निर्माण कर सामुदायिक गतिविधियों के लिए आधारभूत ढांचा विकसित किया गया है। दूरसंचार सुविधाओं के विस्तार हेतु मोबाइल टावर स्थापना की प्रगति की भी समीक्षा की गई।बैठक में कौशल विकास के अंतर्गत सहारिया युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए पीएमकेवीवाई के तहत 500 युवाओं को प्रशिक्षण देने की योजना पर चर्चा की गई। अब तक सैकड़ों युवाओं का पंजीकरण एवं प्रशिक्षण पूर्ण किया जा चुका है, जिससे उन्हें भविष्य में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

युवा अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाकर 'विकसित भारत' के निर्माण में योगदान दें: अर्जुनराम मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय विधि व न्याय एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री तथा जैन विश्वभारती संस्थान के कुलाधिपति अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के भीतर असीम ऊर्जा का भंडार होता है, आवश्यकता केवल उसे सही दिशा में नियोजित करने की है। वे यहाँ जैन विश्वभारती (मान्य विश्वविद्यालय) में विभिन्न नवनिर्मित परियोजनाओं के उद्घाटन व लोकार्पण समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। विद्यार्थियों को जीवन के व्यावहारिक सूत्र देते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि 12 से 17 वर्ष की किशोरावस्था जीवन का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस आयु में अपनाए गए अच्छे या बुरे संस्कार व्यक्ति के संपूर्ण भविष्य का निर्धारण करते हैं। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के लिए गणित, तनाव मुक्ति के लिए संगीत और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने की सीख दी।

समारोह के दौरान मेघवाल ने कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ के साथ मिलकर विश्वविद्यालय की नवीन डिजिटल और भौतिक अवसंरचनाओं का लोकार्पण किया: 'मोबाईल कनेक्ट' एप्लिकेशन, एल्यूम्नी नेटवर्क पोर्टल और लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (ङ्चङ्ड) की शुरुआत।आचार्य महाप्रज्ञ प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र में नवनिर्मित डीलक्स ब्लॉक, व्यायामशाला, आवासीय क्वार्टर और सत्कार अतिथि गृह का उद्घाटन। मेघवाल ने संस्थान के संस्थापक आचार्य तुलसी की दूरदर्शिता की सराहना करते हुए कहा कि इस परिसर में आज भी उनकी नैतिक ऊर्जा का अनुभव होता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि 21वीं शताब्दी एशिया और विशेषकर भारत के नेतृत्व की शताब्दी है। इस अवसर पर उन्होंने स्वरचित कविता 'हम हैं भारत के लोग' का गान कर विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति का उत्साह भरा। कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी मीनू वर्मा, जैन विश्व भारती के अध्यक्ष अमरचंद लूंकड़, प्रमोद बैद, प्रकाश बैद, टीकमचंद सेठिया सहित विश्वविद्यालय का स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आईसीडीएस निदेशालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को दी गई श्रृद्धांजलि

जयपुर। शहीद दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जयपुर स्थित निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं मुख्यालय परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनके चित्र पर माल्यार्पण कर, तथा दो मिनट का मौन रखकर श्रृद्धांजलि दी गई। आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मालावत ने इस अवसर पर देश के शहीदों को श्रृद्धांजलि देते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने एक राष्ट्र के रूप में हमारी सुप्त चेतना को जागृत किया। उन्होंने कहा कि हमारी राष्ट्रीय चेतना में विभिन्न धाराएं समाहित हैं तथा गांधी जी उनका प्रतिनिधित्व करते थे। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने अत्यंत असहनीय पीड़ाये सहकर और कठिन संघर्ष से स्वतंत्रता प्राप्त की है और देश आज संगठित और सार्थक मार्ग पर अग्रसर है।

इंडिया स्टोनमार्ट 2026 प्रदेश की निवेश संभावनाओं को परफॉर्मेंस में बदल रही राज्य सरकार : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि इंडिया स्टोनमार्ट के आयोजन से राजस्थान के पत्थर उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रदेश के कारीगरों को देश-विदेश में इस क्षेत्र की नवीनतम तकनीक की जानकारी मिल सकेगी। रीको, सीडोस और लघु उद्योग भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह कार्यक्रम नीति संवाद, तकनीक और वैश्विक सहयोग का अंतरराष्ट्रीय मंच बनेगा। कर्नल राठौड़ ने शुक्रवार को इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के संबंध में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान इस आयोजन में शामिल होने वाले देश-विदेश के प्रतिभागियों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। पत्थर उद्योग क्षेत्र से जुडे सभी हितधारकों को एक अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 2000 में शुरू हुए इंडिया स्टोनमार्ट का इस वर्ष 13वां संस्करण है। यह अब तक का सबसे भव्य आयोजन होगा। इसमें चीन, तुर्की, ईरान, थाइलैंड, इटली सहित अन्य देशों से प्रदर्शक भी शामिल होंगे।

कर्नल राठौड़ ने बताया कि आयोजन में राजस्थान में एक जिला एक उत्पाद के तहत चयनित पत्थर के उत्पादों के प्रदर्शन के लिए एक विशेष पवेलियन बनाया जाएगा। इससे प्रदेश के इन उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। इससे इन उत्पादों के निर्यात में वृद्धि होगी और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। कर्नल राठौड़ ने कहा कि राजस्थान को स्पष्ट नेतृत्व और नीति से नई दिशा मिली है। पिछले दो साल में निवेश प्रोत्साहन के लिए नई नीतियां और योजनाएं लागू की गई हैं। राज्य सरकार के इन प्रयासों के कारण राजस्थान एक बेहतरीन निवेश गंतव्य बन गया है। राइजिंग राजस्थान के तहत किए गए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू पर काम शुरू हो गया है।

कर्नल राठौड़ ने कहा कि पिछले दो वर्ष में राज्य सरकार ने युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में बेहतरीन काम किया है। अब तक राजकीय क्षेत्र में एक लाख से अधिक युवाओं को नियुक्तियां दी जा चुकी हैं और 1.54 लाख पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। निजी क्षेत्र में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निवेश समझौतों को धरातल पर उतारा जा रहा है। इस क्रम में राइजिंग राजस्थान, प्रवासी राजस्थानी दिवस का सफल आयोजन किया गया है। साथ ही, प्रदेश के युवाओं को खुद का रोजगार शुरू करने के लिए उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा हाल ही में नई योजना लागू की है।

'बापू' के आदर्शों को आत्मसात कर विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दें : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात कर समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान देने का आह्वान किया। योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन।'' उन्होंने लिखा, ''श्रद्धेय 'बापू' का सत्यनिष्ठ आचरण, अहिंसा की उनकी अडिग साधना और मानवता के प्रति अनन्य करुणा संपूर्ण विश्व को सदैव आलोकित करती रहेंगी।'' मुख्यमंत्री ने आह्वान किया, ''आइए, 'बापू' के आदर्शों को आत्मसात कर समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दें।'' महात्मा गांधी की 1948 में आज ही के दिन नाथूराम गोडसे ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। बाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत कई प्रमुख लोगों ने गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

गांधीवादी विचारधारा को सक्रिय करने से ही नकारात्मक-हिंसक ताकतों को हराया जा सकता : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि गांधीवादी विचारधारा को सक्रिय करने से ही ''नकारात्मक-हिंसक ताकतों'' को हराया जा सकता है। अखिलेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''गांधी जी की पुण्यतिथि पर सादर नमन!'' उन्होंने कहा, ''गांधी जी के सत्य पर अडिग विश्वास; मानवता के स्नेह सूत्र सहिष्णुता, अहिंसा, दया, करुणा और सौहार्द के सिद्धांतों वाली अमर गांधीवादी विचारधारा को सक्रिय करने से ही उन नकारात्मक-हिंसक ताकतों को बेनकाब और परास्त किया जा सकता है जो अब भी नए मुखौटे लगाकर हमारे देश और समाज के लिए घातक बनी हुई हैं।''

इससे पहले, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात कर समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान देने का आह्वान किया। महात्मा गांधी की 1948 में आज ही के दिन नाथूराम गोडसे ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। भारत महात्मा गांधी की पुण्यतिथि को शहीद दिवस के रूप में मनाता है।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार और विस्फोटक बरामद

इंफाल/भाषा। मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है जबकि तेंगनौपाल जिले से विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार को इंफाल पूर्व के पैलेस गेट इलाके से प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (एमसी प्रोग्रेसिव) के दो सदस्य गिरफ्तार किए गए। उन्होंने बताया कि इसी दिन इंफाल पूर्व जिले के नोंगदा इलाके से प्रतिबंधित प्रेपाक (प्रो) के एक सदस्य को उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। बुधवार को एक अलग अभियान के दौरान चूड़ाचांदपुर जिले के संगाईकोट से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से 36 किलोग्राम से अधिक अफीम बरामद की गई। अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार को तेंगनौपाल जिले के तराओ लामखाई इलाके से सुरक्षा बलों ने तीन देसी 'पोंपी' मोर्टार, स्थानीय रूप से निर्मित एक तोप, एक आईईडी और तीन हथगोले बरामद किए।

आईओए प्रमुख पी टी उषा के पति श्रीनिवासन का निधन

कोझिकोड (केरल)/भाषा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद पी टी उषा के पति वी श्रीनिवासन का शुक्रवार तड़के निधन हो गया। वह 67 वर्ष के थे। पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार श्रीनिवासन आज सुबह अपने आवास पर बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। भाजपा सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीनिवासन के निधन पर शोक व्यक्त किया है। मोदी ने उषा से फोन पर बात करके अपनी संवेदना व्यक्त की। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के पूर्व इंस्पेक्टर श्रीनिवासन ने उषा के शानदार खेल और राजनीतिक करियर के दौरान हमेशा उनका हौसला बनाए रखा। उनका यह समर्थन उषा की अनगिनत उपलब्धियों के पीछे प्रेरक शक्ति माना जाता था। मलप्पुरम जिले के पोन्नानी के मूल निवासी श्रीनिवासन पूर्व कबड्डी खिलाड़ी थे।

'योगी 40 दिन में गोहत्या पर रोक लगा खुद को हिंदू प्रेमी साबित करें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चुनौती देते हुए शुक्रवार को कहा कि वह (योगी) 40 दिन में ''गोहत्या पर रोक लगाकर अपने हिंदू प्रेमी होने की प्रतिबद्धता'' साबित करें।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मौनी अमावस्या के अवसर पर प्रयागराज प्रशासन द्वारा संगम में स्नान करने से रोके जाने के विरोध में 18 जनवरी से जारी अपने धरने को औपचारिक तौर पर शुक्रवार को समाप्त कर दिया।

उन्होंने वाराणसी में संवाददाताओं से कहा, जब मैं वहां (प्रयागराज) 11 दिन तक बैठा रहा, तब किसी भी अधिकारी ने मुझे स्नान करने के लिए नहीं कहा। अब बहुत देर हो चुकी है। मैं अगले साल माघ मेले में जाऊंगा और सम्मान के साथ स्नान करूंगा।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चुनौती देते हुए कहा, ''वह 40 दिन के भीतर गोहत्या पर रोक लगाकर अपने हिंदू प्रेमी होने की प्रतिबद्धता साबित करें।''

उन्होंने कहा, हमारी पहचान के प्रमाण मांगे गए और हमने उन्हें प्रस्तुत कर दिया। अब आपको अपने हिंदू प्रेमी होने का प्रमाण देना होगा।

ज्योतिषपीठ के प्रमुख ने कहा, हिंदू होने की पहली सीढ़ी गो-प्रेमी होना है। गाय को 'राष्ट्र माता' घोषित करें और उत्तर प्रदेश से गोमांस का निर्यात रोकें, तब हम मानेंगे कि आप हिंदू प्रेमी हैं।

इस बीच, कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय और राष्ट्रीय महासचिव एवं उप्र प्रभारी अविनाश पांडे ने शुक्रवार को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से मुलाकात की।

अजय राय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज प्रातः ज्योतिषपीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। राय ने पोस्ट में कहा इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे जी भी साथ रहे।

राय ने पोस्ट में कहा, संत, सनातन और भारतीय संस्कृति के सम्मान व मर्यादा की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी पूरी मजबूती और निष्ठा के साथ खड़ी है।

श्रद्धांजलि — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को राजघाट स्मारक पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उप राष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने भी राजघाट स्मारक जाकर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि दी। वहां उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने राष्ट्रपिता की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा। सर्वधर्म प्रार्थना सभा में गांधीजी के पसंदीदा भजन ''रघुपति राघव राजा राम'' समेत कई भक्ति गीत गाए गए। मोहनदास करमचंद गांधी, जिन्हें महात्मा गांधी के नाम से जाना जाता है, ब्रिटिश शासन से भारत की स्वतंत्रता के संघर्ष में प्रमुख व्यक्ति थे। 30 जनवरी, 1948 को दिल्ली में नाथूराम गोडसे ने उनकी हत्या कर दी थी।

तृणमूल सरकार 'घुसपैठ हितैषी', अदालत के निर्णय ने उसकी नीतियों को बेनकाब किया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल में मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार की 'घुसपैठ हितैषी' नीतियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। उसने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में सत्ता में आने पर वह स्थिति को सुव्यवस्थित करेगी और राज्य के विकास को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय करेगी।

राष्ट्रीय राजधानी स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि बृहस्पतिवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार को भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए पहले से अधिग्रहित भूमि को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंपने का निर्देश देने से तृणमूल की नीति 'उजागर' हो गई है।

भाजपा के राज्यसभा सदस्य त्रिवेदी ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अदालत का निर्देश एक 'अति महत्वपूर्ण कदम' है। उन्होंने कहा, ''हालांकि, इससे एक बेहद दुखद, दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक सवाल उठता है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल के दौरान, ओछे राजनीतिक लाभ के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया जा रहा था, और घुसपैठियों के वोट के बदले देश की सीमाओं की सुरक्षा को दांव पर लगाया जा रहा था।'' कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया कि वह भारत-बांग्लादेश सीमा पर कांटेदार तार की बाड़ लगाने के लिए 31 मार्च तक नौ सीमावर्ती जिलों में पहले से अधिग्रहित भूमि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंपे।

त्रिवेदी ने आरोप लगाया, ''उच्च न्यायालय का फैसला एक तरह से उनकी (तृणमूल कांग्रेस सरकार की) नीतियों के लिए झटका है। उनका असली चेहरा सामने आ गया है।''

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन के एक साल पूरे होने के करीब, भाजपा के अगले कदम को लेकर अटकलें तेज

नई दिल्ली/भाषा। मणिपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार के अगले कदम को लेकर अटकलें तेज हैं, क्योंकि राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किए जाने के एक साल अगले महीने पूरे हो जाएंगे और वहां लोकप्रिय सरकार के पुनर्गठन के सिलसिले में अभी कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है।

मणिपुर में पिछले साल 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू किए जाने के साथ ही राज्य की 60 सदस्यीय विधानसभा को निलंबित कर दिया गया था। यह कदम राज्य में मेइती और कुकी समुदायों के बीच महीनों से जारी जातीय हिंसा के बाद उठाया था। मणिपुर विधानसभा का 5 साल का कार्यकाल मार्च 2027 में समाप्त होगा। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के पूर्वोत्तर समन्वयक संबित पात्रा ने पार्टी के मेइती और कुकी विधायकों के साथ अलग-अलग, कई दौर की बातचीत की। 14 दिसंबर 2025 को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष और पात्रा दोनों समुदायों के विधायकों से एक ही छत के नीचे मिले। बैठक में मणिपुर विधानसभा के अध्यक्ष टी सत्यव्रत सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह सहित 30 भाजपा विधायक शामिल हुए।

अरुणाचल प्रदेश: सेना ने भारत-चीन सीमा पर जंगल में लगी आग बुझायी

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में काहो गांव के पास लगभग एक सप्ताह पहले जंगल में लगी आग को भारतीय सेना ने बुझा दिया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

भारतीय सेना के स्पीयर कोर ने सोशल मीडिया पर बताया कि लोहित नदी के पश्चिमी किनारे पर भारत-चीन सीमा के निकट आग लग गई थी।

उसने बताया कि स्पीयर कोर के सैनिकों ने भारतीय वायु सेना के साथ मिलकर तेजी से कार्रवाई की और जंगल की आग को सफलतापूर्वक बुझा दिया जिससे जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया कि 21 जनवरी को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के दूसरी तरफ आग लग गई थी जो 27 जनवरी को भारतीय क्षेत्र में पहुंच गई तथा उसने एलएसी के समीप के काहो, शेरू क्षेत्र एवं मदन रिज को अपनी चपेट में ले लिया।

अधिकारी ने बताया कि आग लगने का सटीक कारण का पता नहीं चल पाया है लेकिन उसकी चपेट में आने से लगभग 4,50,000 वर्ग मीटर का क्षेत्र नष्ट हो गया है।

कांग्रेस शासन के दौरान असम की जनसांख्यिकी में बदलाव आया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धेमाजी (असम)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दावा किया कि कांग्रेस शासन के दौरान असम की जनसांख्यिकी में बदलाव आया था और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार इस प्रवृत्ति को खत्म करने के लिए काम कर रही है।

शाह ने करेंग चापोरी में ताकाम मिसिंग पोरिन केबांग द्वारा आयोजित 10वें 'मिसिंग युवा महोत्सव' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने की अपील की ताकि राज्य को घुसपैठ से पूरी तरह मुक्त किया जा सके। उन्होंने आरोप लगाया, ''कांग्रेस शासन के दौरान असम की जनसांख्यिकी पूरी तरह बदल गई। घुसपैठियों की आबादी शून्य से बढ़कर 64 लाख हो गई और सात जिलों में घुसपैठिए बहुसंख्यक हो गए।'' शाह ने कहा कि मोदी सरकार राज्य में जनसांख्यिकीय प्रवृत्ति को पलटने के लिए विभिन्न तरीकों से काम कर रही है। उन्होंने कहा, ''यदि आप असम में घुसपैठ रोकना चाहते हैं, तो भाजपा सरकार को तीसरी बार चुनकर अवैध प्रवासियों के खिलाफ लड़ाई में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के हाथों को मजबूत करें। असम में भाजपा सरकारों ने अतिक्रमण की गई 1.26 लाख एकड़ भूमि को घुसपैठियों से मुक्त कराया है।''

पूर्वोत्तर की सुरक्षा के लिए राष्ट्रव्यापी दृष्टिकोण की आवश्यकता : राज्यपाल के टी परनाइक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) के टी परनाइक ने पूर्वोत्तर क्षेत्र की उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए राष्ट्रव्यापी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर शुक्रवार को जोर दिया और कहा कि क्षेत्र की स्थायी शांति केवल समन्वित राजनीतिक, शासनीय, आर्थिक और सामाजिक प्रयासों से ही प्राप्त की जा सकती है।

परनाइक ने तमिलनाडु के वेलिंगटन स्थित 'डिफेंस सर्विस स्टाफ कॉलेज' (डीएसएससी) में

'भारत के पूर्वी क्षितिज- एक नई राष्ट्रीय सुरक्षा वास्तविकता' विषय पर एक संगोष्ठी में मुख्य भाषण देते हुए कहा कि पूर्वोत्तर की सुरक्षा की गतिशीलता बाहरी प्रभावों, आंतरिक जातीय-राजनीतिक वास्तविकताओं, स्थानीय राजनीति और विद्रोही आंदोलनों के जटिल अंतर्संबंधों से आकार लेती है। राज्यपाल ने 81वें स्टाफ पाठ्यक्रम में 35 देशों के 44 अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों सहित कॉलेज संकाय और लगभग 500 छात्र अधिकारियों के समक्ष 'अरुणाचल प्रदेश और उभरता पूर्वोत्तर सुरक्षा प्रतिमान' विषय पर कहा कि पूर्वोत्तर एक अत्यंत रणनीतिक महत्व का क्षेत्र है, जिसे संवेदनशील और समावेशी तरीके से विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की अनूठी भौगोलिक स्थिति और विविध जातीय समुदाय अवसर व राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौतियां दोनों उत्पन्न करते हैं।

उन्होंने कहा कि हालांकि जातीय समुदायों के बीच सीमाओं के पार गहरे सांस्कृतिक और सामाजिक संबंध होते हैं।

बापू एक व्यक्ति नहीं सोच हैं, 'अहंकारी सत्ता' ने इसे मिटाने की असफल कोशिश की : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया और कहा कि बापू एक व्यक्ति नहीं, बल्कि सोच हैं जो कभी मिट नहीं सकती क्योंकि गांधी भारत की आत्मा में अमर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस सोच को कभी अंग्रेजी साम्राज्य ने, कभी नफ़रत की विचारधारा ने और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, महात्मा गांधी एक व्यक्ति नहीं, एक सोच हैं - वह सोच जिसे कभी एक साम्राज्य ने, कभी नफ़रत की विचारधारा ने और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की। मगर राष्ट्रपिता ने हमें आज़ादी के साथ यह मूलमंत्र दिया कि सत्ता की ताक़त से बड़ी सत्य की शक्ति होती है - और हिंसा व भय से बड़े अहिंसा और साहस। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह सोच मिट नहीं सकती, क्योंकि गांधी भारत की आत्मा में अमर हैं। राहुल गांधी ने कहा, बापू को उनके शहीदी दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सरदार वल्लभभाई पटेल और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बीच 1948 में हुए पत्राचार का उल्लेख करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, महात्मा गांधी की हत्या से दो दिन पहले पंडित जवाहरलाल नेहरू ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को एक पत्र लिखा था। कुछ महीनों बाद, 18 जुलाई 1948 को, सरदार पटेल ने भी श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पत्र लिखा।

बंगाल में चार नई रेल लाइन परियोजनाओं को शुरू करने की मंजूरी : अधिकारी

कोलकाता/भाषा। रेल मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना और नदिया जिलों में चार नई रेल लाइन परियोजनाओं को शुरू करने की मंजूरी दे दी है, जिससे भारत-बांग्लादेश सीमा के निकट संपर्क मजबूत होगा। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पूर्वी रेलवे के अधिकारी ने एक बयान में कहा कि कुल 53 किलोमीटर से अधिक लंबी ये चार रेल लाइन क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देंगी।

इसमें कहा गया है कि जिन परियोजनाओं को हरी झंडी दी गई है, उनमें बनगांव-पुरमहेशतला (20 किमी), बनगांव-चंदाबाजार (11.5 किमी), चंदाबाजार-बागदाह (13.8 किमी) और राणाघाट (अरंगटा)-दत्तापुलिया (8.17 किमी) शामिल हैं। बयान में कहा गया, ''रणनीतिक रूप से, इससे भारत-बांग्लादेश सीमा के पास संपर्क मजबूत होगा और राष्ट्रीय सुरक्षा में सुधार होगा।''

'अनुशासनात्मक' कारणों से मनप्रीत समेत तीन खिलाड़ियों को किया गया बाहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह समेत तीन खिलाड़ियों को प्रो लीग के आगामी सत्र से पहले संभावित खिलाड़ियों की सूची से बाहर के फैसले पर भले ही कइयों को हैरानी हुई हो लेकिन सूत्रों के अनुसार यह फैसला पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ही 'अनुशासनात्मक' कारणों से ले लिया गया था। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थी कि किसी भारतीय खिलाड़ी के सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैचों का हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की के (412) रिकॉर्ड की बराबरी से रोकने के लिए मनप्रीत को बाहर किया गया है। मनप्रीत इस रिकॉर्ड से एक मैच दूर हैं।

टीम के करीबी सूत्रों ने हालांकि बताया कि मनप्रीत सिंह, दिलप्रीत सिंह और गोलकीपर कृशन बहादुर पाठक को बाहर करने का फैसला पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ही ले लिया गया था। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका में सात से दस दिसंबर 2025 के बीच दो टेस्ट और एक

नुमाइशी मैच खेले थे। सूत्रों ने कहा ,'' दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अनुशासनहीनता का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया था जब एक खिलाड़ी टीम बैठक से गायब था और बाद में पता चला कि उसे मनप्रीत, दिलप्रीत और पाठक ने कथित तौर पर प्रतिबंधित पदार्थ वाली स्वूइंग गम खिलाई थी जिससे वह बेहोश हो गया और पूरी रात उसे संभालना पड़ा। अगली सुबह वह टीम बैठक में भी नहीं जा सका।''

उन्होंने आगे कहा,'' खिलाड़ियों ने अपने साथी खिलाड़ी को प्रतिबंधित पदार्थ खिलाने के लिए बैठक में माफी मांगी लेकिन टीम बैठक में तब ही उन्हें आगामी शिविर से बाहर रखने का फैसला सुना दिया गया था।''

यह भी पता चला है कि कोच क्रेग फुल्टन की ओर से घटना की कोई लिखित रिपोर्ट हॉकी इंडिया को नहीं दी गई है। राउरकेला में अगले महीने होने वाले प्रो लीग के आगामी सत्र के लिए हॉकी इंडिया ने गुरुवार को संभावित खिलाड़ियों की सूची जारी की जिसमें कोच ने कहा कि कार्यभार प्रबंधन के लिए कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। राउरकेला में 10 से 15 फरवरी तक होने वाले एफआईएच प्रो लीग मैचों से पहले एक से सात फरवरी तक यह शिविर आयोजित किया जाएगा।

मनप्रीत की सह कप्तानी में रांची रॉयल्स टीम हॉकी इंडिया लीग के फाइनल में पहुंची थी और टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन भी काबिले तारीफ रहा जिससे उन्हें बाहर किए जाने को लेकर सवाल उठने लाजमी हैं। वहीं कृशन और दिलप्रीत एचआईएल जीतने वाली कलिंगा लांसर्स टीम का हिस्सा थे।

अमेरिका ने टी20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की, मोनांक पटेल होंगे कप्तान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। अमेरिका ने पिछले चरण में खेलने वाले 15 में से 10 खिलाड़ियों को सात फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए शुक्रवार को टीम में शामिल किया।

अमेरिका पहले मैच में मुंबई में सह-मेजबान और गत चैंपियन भारत से भिड़ेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पिछले साल 23 सितंबर को आईसीसी सदस्यता मानदंड के गंभीर उल्लंघन के कारण अमेरिका क्रिकेट को निलंबित कर दिया था।

इसलिए टीम का चयन एक नई चयन प्रक्रिया के तहत किया गया है जिसे आईसीसी और अमेरिका की ओलंपिक और पैरालंपिक समिति के साथ मिलकर तैयार किया गया है। अमेरिका ने पिछले टी20 विश्व कप में पाकिस्तान जैसे पूर्ण सदस्यीय देश को हराया था और सुपर आठ चरण तक पहुंचा था।

अमेरिका ने तैयारियों के लिए श्रीलंका में कई हफ्तों तक ट्रेनिंग की। अमेरिका को ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, नामीबिया और नीदरलैंड के साथ रखा गया है।

टीम इस प्रकार है : मोनांक पटेल (कप्तान), जेसी सिंह (उप कप्तान), एंड्रीज गौस, शेहान जयसूर्या, मिलिंद कुमार, शयान जहांगीर, साईतेजा मुक्कामाला, संजय कृष्णमूर्ति, हरमीत सिंह, नोस्तुश केंजिगे, शेडले वान शाल्कविक, सौरभ नेत्रावलकर, अली खान, मोहम्मद मोहसिन, शुभम रंजने।

सुविचार

एक गलती आपका अनुभव बढ़ा देती है और एक अनुभव आप की गलतियों को कम कर देता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेलिब्रिटी नहीं, जनसेवक बनें

बिहार सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग के संबंध में जो नियमावली तैयार की है, उसकी बहुत जरूरत महसूस की जा रही थी। अन्य राज्यों को भी ऐसी नियमावली तैयार कर अनुशासन का माहौल बनाना चाहिए। हाल के वर्षों में ऐसे मामले सामने आए, जब कुछ सरकारी कर्मचारी अपना कर्तव्य निभाने के बजाय सोशल मीडिया के लिए सामग्री तैयार करने में ज्यादा व्यस्त रहे। ये कर्मचारी फिल्मी संवाद दोहराते हैं, गानों पर नृत्य करते हैं और अपने वीडियो वायरल कर वाहवाही पाने की कोशिश करते हैं। उनमें से कुछ तो अपनेआप को बड़ी सेलिब्रिटी समझने लगते हैं, जबकि ऐसी हरकतें उस विभाग की छवि को धूमिल करती हैं। सोशल मीडिया पर ऐसे अधिकारी और कर्मचारी मिल जाएंगे, जो जनता के बीच मशहूर होने के लिए खास किस्म के तौर-तरीके अपनाते हैं। एक अधिकारी वीडियो एडिटिंग की आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर खुद को ऐसे पेश करते हैं, जैसे वे कोई सम्राट हों। वे अपने वाहन से उतरने, चलने और दफ्तर में दाखिल होने को किसी फिल्म की तरह दिखाते हैं। ऐसे वीडियो का शीर्षक कुछ इस तरह होता है- 'पावर ऑफ ... ऑफिसर, यह होती है ताकत, दुनिया करती है सैल्यूट!' इसका किशोरों और युवाओं पर खासा रौब पड़ता है। वे सोचते हैं कि इन लोगों को सच में ही सारी दुनिया सैल्यूट करती है। सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों का काम है- जनता की सेवा करना, सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारना। जो व्यक्ति अपना समय और ऊर्जा वीडियो बनाने में ही लगाएगा, वह अपने काम को कितने मनोयोग से कर पाएगा?

कुछ अधिकारी व कर्मचारी आत्मप्रचार से दूर रहकर ऐसे विषयों पर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं, जिनसे जनता को बहुत फायदा होता है। एक पुलिस अधिकारी साइबर सुरक्षा संबंधी मामलों के विशेषज्ञ हैं। उनका हर वीडियो ज्ञानवर्द्धक होता है। वे लोगों को साइबर ठगी से सुरक्षित रहने के तरीके बताते हैं। रेलवे के एक कर्मचारी बहुत आसान भाषा में जानकारी देते हैं। टिकट कैसे बुक कराएं, किस ट्रेन में कौनसी सुविधाएं होती हैं, यात्रा के दौरान कोई समस्या आए तो किससे संपर्क करें - जैसे सवालों के जवाब मिलने से लोगों की जानकारी में बढ़ोतरी होती है। इसी तरह डाक विभाग के एक कर्मचारी लघु बचत योजनाओं के विशेषज्ञ माने जा सकते हैं। किसके लिए कौनसी बचत योजना बेहतर है, लंबी अवधि में किस योजना में निवेश करें, फर्जी निवेश योजनाओं से कैसे बचें - के बारे में उनके वीडियो 'गागर में सागर' होते हैं। एक यातायात पुलिसकर्मी अपने विभाग की आदर्श छवि पेश करते हैं। वे लोगों को यातायात के नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। अगर कोई व्यक्ति सभी नियमों का पालन करता है तो उसकी तारीफ करते हैं। इसके अलावा, यातायात संबंधी दस्तावेज बनवाने के लिए जानकारी देते हैं। ऐसे अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित करना चाहिए। ये जनता तक महत्त्वपूर्ण जानकारी पहुंचाते हैं और सरकार की योजनाओं को बेहतर ढंग से लागू करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाते हैं। सर्वसमाज को उनके ज्ञान और अनुभव का फायदा मिलता है। अगर हर क्षेत्र में कुछ अधिकारी व कर्मचारी ऐसी उपयोगी सामग्री का निर्माण करें तो लोगों को योजनाओं से जुड़ने में बहुत आसानी हो सकती है। जो लोग सिर्फ आत्मप्रचार के लिए ढेरों तस्वीरें-वीडियो पोस्ट करते रहते हैं, सिर्फ अपनी छवि बनाने में व्यस्त रहते हैं, खुद को किसी सेलिब्रिटी की तरह दिखाते हैं, हमेशा आत्ममुग्ध रहते हैं, उन्हें सरकार की ओर से सख्त नसीहत मिलनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

धर्म, स्वाभिमान और मातृभूमि की रक्षा हेतु जीवनभर 80 से अधिक युद्धघाव सहकर भी अदम्य साहस के साथ आक्रमणकारियों का सामना करने वाले राणा सांगा जी का शौर्य और बलिदान युगों-युगों तक राष्ट्र को प्रेरणा देता रहेगा।

-वसुंधरा राजे

महिला सशक्तीकरण की दिशा में यह निर्णय मील का पत्थर साबित होगा। मुझे आशा है कि केन्द्र सरकार भी राजस्थान की तर्ज पर पूरे देश में सिर्फ बालिकाओं ही नहीं सभी महिलाओं को सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध करवाने की योजना लागू करेगी।

-अशोक गहलोत

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। सत्य पर अडिग विश्वास और अहिंसा में अपार शक्ति है। बापू के आदर्शों से ही हिंसक और नकारात्मक सोच को मिटाकर देश को नई राह दिखाई जा सकती है।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

भक्ति निस्वार्थ भाव से ही करनी चाहिए

पूजा करते समय अधिकतर लोग भगवान से सुख-सुविधाओं से जुड़ी पाने की कामना करते हैं। पूजा के बदले भगवान से कुछ न कुछ मांगा जाता है। इस तरह की भक्ति करने के बाद जब मनोकामनाएं पूरी नहीं होती हैं तो मन अशांत हो जाता है। मन की शांति चाहिए तो भक्ति निस्वार्थ भाव से ही करनी चाहिए। ये बात एक लोक कथा से समझ सकते हैं। एक प्रचलित लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक राजा ने अपने राज्य में घोषणा कर दी कि अगले दिन जो भी व्यक्ति मेरे महल की जिस चीज पर हाथ रख देगा, वह उस की हो जाएगी। राजा की घोषणा सुनकर प्रजा खुश थी। सभी राजा की अलग-अलग कीमती चीजों को पाना चाहते थे। अगले दिन जैसे ही सुबह हुई राजा के महल में प्रजा की भीड़ लग गई। कुछ लोग सोने-चांदी के बर्तन लेने की कोशिश कर रहे थे, तो कुछ लोग हीरे-मोती के आभूषण लेने लगे। राजा दूर अपने सिंहासन पर बैठकर ये नजारा देख रहे थे। उनकी प्रजा महल की चीजों को पाने के लिए दौड़भाग कर रही थी। तभी एक व्यक्ति राजा की ओर बढ़ रह था। वह राजा के पास पहुंचा और उसने राजा पर हाथ रख दिया।

सामयिक

यूजीसी नियमों पर न्यायिक विराम

ललित गर्ग
मोबाइल : 98110511

नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता के नाम पर लागू किए गए नए नियमों ने देश के शैक्षिक और सामाजिक परिदृश्य में एक बार फिर गहरी हलचल पैदा कर दी है। जिस 'नीति को समता', 'समान अवसर' और 'समावेशी शिक्षा' की भावना से जोड़कर प्रस्तुत किया गया, वह व्यवहार में आते ही एक वर्ग विशेष के तीव्र विरोध, व्यापक असंतोष और सामाजिक तनाव का कारण बन गई। स्थिति इतनी विकट हुई कि सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप कर इन नियमों पर अंतरिम रोक लगानी पड़ी। यह रोक न केवल सरकार की नीति-निर्माण प्रक्रिया पर एक प्रश्नचिह्न है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिशयोक्तिपूर्ण और असंतुलित प्रयोग देश को किस दिशा में ले जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते। अदालत ने प्रथम दृष्टया यह माना कि यूजीसी के नए नियमों में स्पष्टता का अभाव है और यही अस्पष्टता उन्हें विवादास्पद बनाती है। यह रोक सरकार को आत्ममंथन का अवसर देती हैकृएक ऐसा अवसर जिसे राजनीतिक टकराव के बजाय सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रश्न यह है कि जो सरकार बार-बार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की बात करती रही है, वह शिक्षा संस्थानों जैसे विचार-निर्माण के केंद्रों में ऐसे नियम क्यों लाई, जिनसे जातिगत पहचान और वर्गीय विभाजन की रेखाएँ और गहरी होने की आशंका पैदा हो गई। भारत का सामाजिक इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि जाति के नाम पर की गई किसी भी नीति ने, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही कल्याणकारी क्यों न रहा हो, समाज को भीतर ही भीतर विभाजित किया है। आरक्षण जैसी संवैधानिक व्यवस्था सामाजिक न्याय के लिए लाई गई थी, लेकिन इसके लंबे प्रयोग ने देश को ऐसे घाव भी दिए हैं, जिनका उपचार आज तक पूर्ण रूप से नहीं हो सका। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में जातिगत आधार को और उभारने वाली किसी भी पहल को लेकर स्वाभाविक रूप से आशंका उत्पन्न होती है।

शिक्षा संस्थान केवल डिग्री बांटने की फैक्ट्रियां नहीं होते; वे समाज की दिशा तय करने वाली प्रयोगशालाएं होते हैं। यहां तैयार होने वाला छात्र केवल नौकरीपेशा व्यक्ति नहीं, बल्कि भविष्य का नागरिक होता है। यदि यही परिसर अविश्वास, वर्ग-संघर्ष और परस्पर शंका के केंद्र बन जाएं, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर उठा विरोध इसी आशंका का प्रकटीकरण है। यह भी विचारणीय है कि समानता और समता के बीच का अंतर नीति-निर्माण में किस हद तक समझा गया। समानता का अर्थ है सबके साथ एक जैसा व्यवहार, जबकि समता का अर्थ है परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संतुलित अवसर देना। यदि समता के नाम पर ऐसे प्रावधान किए जाएं जो एक नए प्रकार की असमानता को जन्म दें, तो वह नीति अपने उद्देश्य से भटक जाती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी बिंदु की ओर संकेत करती है कि नियमों का उद्देश्य भले ही सकारात्मक रहा हो, लेकिन उनकी संरचना और भाषा ने विवाद और भ्रम को जन्म दिया।

यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पूरे मामले में राजनीतिक रंग तेजी से हावी होता गया। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इसे अपने-अपने हितों के चश्मे से देखना शुरू कर दिया, वोट बैंक की राजनीति से इसे देखा जाने लगा जबकि यह विषय मूलतः शिक्षा सुधार और सामाजिक संतुलन से जुड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कई अवसरों पर यह कहते रहे हैं कि शिक्षा को राजनीति से मुक्त रखा जाना चाहिए और नीतियां दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर बननी चाहिए। फिर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यूजीसी द्वारा बनाए गए इन नियमों में उस दूरदर्शिता और संतुलन का अभाव क्यों दिखा? लगता है कि यूजीसी ने जल्दबाजी में बिना सोचे समझे इसे लागू कर दिया,यदि यूजीसी ने व्यापक संवाद, सभी पक्षों से परामर्श और संभावित दुरुपयोग की आशंकाओं का पूर्व आकलन किया होता, तो शायद यह स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती। नीति बनाते समय केवल कानूनी वैधता पर्याप्त नहीं होती; सामाजिक स्वीकार्यता और नैतिक संतुलन भी उतने ही आवश्यक होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने आदेश के माध्यम से यही संकेत दिया है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी बदलाव से पहले उसके दूरगामी प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

नए नियमों की सबसे बड़ी कमजोरी एवं त्रासदी यही रही कि वे आरक्षित और सामान्य वर्गों को एक-दूसरे के सामने खड़ा करके विद्रोह एवं विरोध में खड़ा कर दिया। यह विभाजनकारी प्रवृत्ति न केवल शिक्षा के वातावरण को दूषित करती है, बल्कि उस राष्ट्रीय एकता की अवधारणा को भी कमजोर करती है, जिसकी बात हम संविधान में करते हैं। किसी भी नीति का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह समाज को जोड़ती है या तोड़ती है। यदि वह अविश्वास और टकराव को बढ़ावा देती है, तो उस पर पुनर्विचार अनिवार्य हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक को किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक सुधार का अवसर है-सरकार, यूजीसी और समूचे शैक्षिक तंत्र के लिए। यह समय है कि भावनाओं और राजनीतिक आग्रहों से ऊपर उठकर एक ऐसी नीति बनाई जाए, जो वास्तव में समान अवसर सुनिश्चित करे, लेकिन बिना किसी नए विभाजन को जन्म दिए। शिक्षा में सुधार का अर्थ समाज को आगे ले जाना है, न कि पुराने घावों को फिर से कुरेदना।

देश को ऐसी शिक्षा नीति की आवश्यकता है जो प्रतिभा को जाति से ऊपर रखे, अवसर को पहचान से मुक्त करे और परिसरों को संघर्ष का नहीं, संवाद का केंद्र बनाए। सुप्रीम कोर्ट की यह रोक उसी दिशा में एक संकेत है। अब यह सरकार और यूजीसी की जिम्मेदारी है कि वे इस संकेत को समझें, आत्मावलोकन करें और ऐसे नियम गढ़ें जो वास्तव में भारत की समावेशी, संतुलित और भविष्यद्रष्टा संरचना के अनुरूप हों। यदि इस अवसर को भी राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ा दिया गया, तो यह केवल एक नीति की विफलता नहीं होगी, बल्कि उस विश्वास की भी हार होगी, जो जनता ने शिक्षा सुधारों से जोड़ रखा है।

विशेष

जातिवादी राजनीति का दुष्चक्र

डॉ. कृष्णा अनुराग

केंद्र में सत्तासीन पार्टी, जो 'एक हैं तो सेफ हैं', 'बंटेंगे तो कटेंगे' जैसे नारे दिए और अचानक वह जातिवादी गंदी राजनीति के माध्यम से सवर्णों और अन्य जातियों के बीच विष उत्पन्न करने वाले यूजीसी के नए अधिनियम लेकर आ गई।हालाँकि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में इस पर रोक लगाकर एक बार तो देश को जातिगत आग में झोंके जाने से बचा लिया है।

यूजीसी-2026 के नए अधिनियमों का चौतरफा विरोध हो रहा है और देश के शिक्षा मंत्री कह रहे हैं कि 'नियमों का दुरुपयोग कोई भी नहीं कर पाएगा।' सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसे नियम ही क्यों बनाए गए जो एक वर्ग के मन में डर पैदा करें ? यूजीसी के नए नियमों का लब्बोलुआब यह है कि बिना किसी जांचपड़ताल के पहले ही मान लिया गया है कि सामान्य वर्ग के बच्चे शोषक और तथाकथित पिछड़े और दलित वर्ग के बच्चे शोषित हैं। विदित हो कि देश के विश्वविद्यालयोंमहाविद्यालयों में वर्ष 2012 से ही दलितों के शोषण और उत्पीड़न पर कठोर दंड का प्रावधान किया गया है। इसके बावजूद यूजीसी स्वयं मानती है कि दलितों के साथ भेदभाव और उत्पीड़न पहले की तुलना में कहीं अधिक बढ़ा है। ऐसे में यह बात स्पष्ट है कि नए नियमों से अधिक इस बात पर जोर देने की आवश्यकता है कि कैसे हर वर्गवर्ण के बच्चों के बीच दूरियां मिटे। आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बावजूद अगर आज तक समाज में आरक्षण आदि के बाद भी समरसता नहीं आई है तो इस संबंध में नए ढंग से पुनर्विचार करने की जरूरत है। सरकारोंनेताओं को यह समझना होगा कि तुष्टिकरण की राजनीति से समाज में भेदभाव और बढ़ेगा। बच्चे जाति देख कर दोस्ती करेंगे और दूरियां बढ़ाएंगे, वैमनस्य की खाई और गहरी होगी। समाज अगर खंडखंड में विभाजित होगा तो भविष्य में वह देश के लिए ही घातक होगा।

आज देश में आतंकवाद, हत्या, बलात्कार, दहेज उत्पीड़न, आदि घृणित कार्यों के मद्देनजर अनेक कठोर कानूनों का प्रावधान किया गया है, इसके बावजूद तमाम तरह की वीभत्स घटनाएं लगातार हो रही हैं। स्पष्ट है कि सिर्फ कानून इस तरह की गतिविधियों को नहीं रोक सकता है। जरूरत है ऐसी शिक्षा की जो नैतिक मूल्यों पर आधारित हो, जिसका मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास हो। जब विश्वविद्यालयों महाविद्यालयों के कैंपसों में भेदभाव की बात हो रही है तो क्यों नहीं बचपन से ही ऐसी शिक्षा की बात हो जो हर किसी को जोड़े ? यह सर्वविदित है कि सनातन भारतीय समाज में हर जाति का अपना महत्त्व रहा है। जन्ममृत्यु, विवाह आदि के क्रियाकलापों में यह देखा जा सकता है कि हर जाति के लोग किस तरह से इन आयोजनों में न केवल शामिल होते हैं, बल्कि उनके बिना कर्मकांड अधूरा ही माना जाता है।

इस बात को मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि अतीत में कुछ ऐसी सामाजिक रूप से विद्रूप घटनाएं घटी हैं जो सनातन मूल्यों के खिलाफ कही जा सकती हैं। निश्चित रूप से उससे सीख ले कर आगे बढ़ने की आवश्यकता है।दुर्भाग्य से आज भारत के तमाम राजनीतिक दल पुनः उसी जातिगत दलदल में धंसने की कोशिश कर रहे हैं। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज जिन सवर्ण बच्चों ने कोई घृणित हरकत नहीं की है, उन्हें केवल इस लिए 'फंसाने' की बात तथाकथित बहुजन चिंतकों के द्वारा की जा रही है, क्योंकि उनके पुरखों ने सदियों पहले कथित रूप से दलितपिछड़े वर्ग के लोगों के साथ भेदभाव किया था। पूर्वजों के द्वारा किए गए किसी भी कार्य की सजा उनके बच्चों को नहीं दी जा सकती है। यद्यपि अभी पूरे देश में जातीय जनगणना नहीं हुई है, इसके बावजूद यह माना जाता है कि सवर्णों की आबादी इस देश में लगभग 12 से 15 प्रतिशत है और दलितोंपिछड़ों की आबादी 8085 प्रतिशत। ऐसे में जातीय तौर पर अल्पसंख्यक सवर्णों की चिंताओं पर निश्चित रूप से विचार किया जाना चाहिए। अच्छा तो यह होता कि देश जातिविहीन समाज की ओर आगे बढ़ता। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने भी विवादित यू.जी.सी. अधिनियम 2026 पर स्टे लगाते हुए यही बात कही है। केवल अपनी राजनीति चमकाने के लिए नेताओं को विभाजन के नवीन प्रयासों से बचना चाहिए। यह देश हर वर्ग, जाति और धर्म से जुड़े लोगों का है। आदि काल से भारत ने खुली बाहों से हर किसी का स्वागत किया है। ऐसी स्थिति में हमें अपने सनातन मूल्यों को नहीं भूलना चाहिए।

जब विश्व की तमाम महाशक्तियां अनुसंधान और नवाचार में व्यस्त हैं, भारत में जाति को लेकर बहस एक बार फिर गर्म हो गई है। कुछ दिनों तक सड़कों पर तथाकथित अगड़ों ने आंदोलन किया, संभव है सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पिछड़े झंडापताका ले कर सड़कों पर आयेंगे। देश के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसी स्थितियाँ निराशाजनक हैं। अब जाति के आधार पर भेदभाव न हो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए और यह कानून से नहीं, नैतिक शिक्षा से ही संभव है। जातिविहीन समाज वक्त की जरूरत है तभी सच्चे अर्थों में देश अपने दूरगामी लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेगा।

* लेखक बीएमएस कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, बेंगलूरु के हिंदी विभाग में सहायक प्राध्यापक हैं।

ज्ञान विज्ञान

अंतरिक्ष में जल्द दिखेगा सुपरमून का दिलचस्प नजारा

खगोलविज्ञानियों और अंतरिक्ष में दिलचस्पी रखने वालों को जल्द ही बेहद शानदार नजारे का दीदार होने वाला है। 5 नवम्बर बुधवार को आसमान में चांद थोड़ा और बड़ा और चमकीला दिखाई देगा। ऐसा सुपरमून की वजह से हो रहा है। सुपरमून तब होता है जब पूर्णिमा का चांद अपनी कक्षा में पृथ्वी के सबसे ज्यादा नजदीक होता है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का कहना है कि इस वजह से चांद साल के सबसे धुंधले चांद की तुलना में 30% ज्यादा चमकीला और 14% बड़ा दिखाई देता है। दरअसल, चंद्रमा पृथ्वी चक्कर लगाता है लेकिन यह कक्षा पूर्ण वृत्ताकार नहीं है।

सलिए जैसे-जैसे यह परिक्रमा करता है, नजदीक और दूर होता जाता है। 5 नवम्बर को होने वाला सुपरमून इस साल के तीन सुपरमून में से दूसरा और सबसे नजदीकी है। इस दौरान चांद पृथ्वी से लगभग 357000 किलोमीटर की दूरी पर होगा। लोवेल ऑब्जर्वेटरी के खगोलशास्त्री लॉरेंस वासरमैन का कहना है कि सुपरमून के दौरान समुद्र में ज्वार थोड़ा ज्यादा हो सकता है, क्योंकि चांद पृथ्वी के ज्यादा नजदीक होगा। हालांकि, यह अंतर ज्यादा दिखाई नहीं देगा। अगर आसमान साफ हो तो सुपरमून देखने के लिए किसी विशेष उपकरण की जरूरत नहीं होती।

अगर आसमान साफ हो तो सुपरमून देखने के लिए किसी विशेष उपकरण की जरूरत नहीं होती। हालांकि, चंद्रमा के आकार में परिवर्तन को नंगी आंखों से देख पाना कठिन हो सकता है। खगोल विज्ञानियों का कहना है कि यह अंतर अन्य तस्वीरों या अवलोकनों की तुलना में सबसे साफ होता है। सुपरमून शब्द पहली बार 1979 में खगोलशास्त्री रिचर्ड नोले ने इस पूर्ण चंद्रमा के लिए इस्तेमाल किया था, जो साफ तौर पर बड़े और चमकीले दिखाई देते हैं। नवम्बर का बीवर मून इस साल पृथ्वी का सबसे निकटतम पूर्ण चंद्रमा होगा, इसलिए यह सबसे चमकीला होगा और सबसे बड़ा दिखाई देगा।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विंग्स इंडिया

हैदराबाद में शुक्रवार को हैदराबाद तेलंगाना के बेगमपेट एयरपोर्ट पर एशिया के सबसे बड़े दो साल में एक बार होने वाले सिविल एविएशन इवेंट 'विंग्स इंडिया 2026' के दौरान दिखाए गए अलग-अलग एयरक्राफ्ट को देखते विज़िटर।

मिमी चक्रवर्ती के साथ 'उत्पीड़न' मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता/एजेन्सी

अभिनेत्री और तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती के साथ हुए उत्पीड़न मामले में पुलिस ने गुरुवार को तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी तनाय शास्त्री और उसके दो साथियों को उसके आवास पर हुई झड़प के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। बता दें कि पुलिस उत्तर 24 परगना जिले के बोंगांव में आयोजित एक कार्यक्रम में मिमी चक्रवर्ती के साथ हुई उत्पीड़न की शिकायत की जांच कर रही है। मिमी चक्रवर्ती फिलहाल अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'भानुप्रिया भूतेर होटल' के प्रचार में व्यस्त हैं। इस घटनाक्रम पर उनकी ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह घटना रविवार रात को हुई। बोंगांव के नयागोपालगंज इलाके में एक कार्यक्रम में गईं अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि मंच पर उनके साथ उत्पीड़न किया

गया।उन्होंने कहा, मैं परफॉर्म कर रही थी। अचानक कार्यक्रम के आयोजक तनाय शास्त्री मंच पर आए और मुझे रोक दिया। उन्होंने मुझे जाने के लिए कहा। बिना कुछ कहे, मैं पूरी परफॉर्मेंस समाप्त किए बिना ही चली गई।

उनका व्यवहार बहुत ही अपमानजनक था।इसके बाद उन्होंने ईमेल के जरिए स्थानीय पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पूर्व सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि अन्य कलाकारों के विपरीत शास्त्री के घर अतिथि बनने से इनकार करने के कारण उनके साथ यह अन्यायपूर्ण व्यवहार किया गया। इस घटना को लेकर सोमवार से ही तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।दूसरी ओर, कार्यक्रम के आयोजक ने दावा किया कि ये आरोप पूरी तरह निराधार और झूठे हैं। शास्त्री के अनुसार, मिमी चक्रवर्ती के आने का निर्धारित समय रात 10:30 बजे था, लेकिन वह लगभग डेढ़ घंटे देरी से यानी रात 11:45 बजे पहुंचीं। उन्होंने मिमी के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि इसके बावजूद उन्हें पूरा सम्मान दिया गया और मंच तक ले जाया गया।हालांकि, जब पुलिस ने मामले की जांच करने की कोशिश की और शास्त्री के घर गई, तो उन्होंने पुलिस को अपना काम करने से रोक दिया। इसके बाद उन्हें और उनके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

ईरान पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई से क्षेत्रीय और वैश्विक परमाणु प्रतिक्रिया का खतरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैरिसबर्ग (अमेरिका)। अमेरिका ईरान पर सैन्य हमले की दिशा में बढ़ता नजर आ रहा है। अगर ऐसा हुआ तो न केवल पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ने का खतरा है, बल्कि इससे वैश्विक स्तर पर परमाणु हथियारों के प्रसार की एक नई प्रतिक्रिया भी शुरू हो सकती है।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 28 जनवरी 2026 को इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ अपनी चेतावनियों को और कड़ा करते हुए कहा कि यदि तेहरान अमेरिकी मांगों से सहमत नहीं होता है तो उस पर तेजी से हमला किया जा सकता है। इस धमकी को बल देने के लिए पेंटागन ने विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को विध्वंसक पोतों, बमवर्षकों और लड़ाकू विमानों के साथ ईरान के निकट तैनात कर दिया है।

अमेरिका की प्रमुख मांगों में ईरान के यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को स्थायी रूप से समाप्त करना, बैलिस्टिक मिसाइल विकास पर रोक और हमास, हिज़्बुल्लाह तथा हूती जैसे चरमपंथी संगठनों को समर्थन बंद करना शामिल है। विशेषज्ञों का मानना है कि कमजोर अर्थव्यवस्था और हालिया विरोध प्रदर्शनों से जूझ रहे ईरान पर दबाव बनाने का यह प्रयास गंभीर और दूरगामी परिणाम ला सकता है। ईरान के पास परमाणु हथियार बनाने की तकनीकी क्षमता है, लेकिन उसने अभी तक अंतिम कदम नहीं उठाया है। ऐसे देश पर हमला होने से यह संदेश जाता है कि संयम और अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन भी सुरक्षा की गारंटी नहीं देता। इस्लामिक गणराज्य ईरान की संस्थाएं 47 वर्षों के शासन के बाद समाज में गहराई से जड़ें जमा चुकी हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भी 28 जनवरी को माना कि यदि सरकार गिरती है तो आगे क्या होगा, इसका कोई सरल उत्तर नहीं है। ईरान कोई कमजोर या आसानी से ढहने वाला देश नहीं है। 9.3 करोड़ की आबादी, मजबूत सुरक्षा तंत्र और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स जैसी संस्थाओं के कारण सत्ता परिवर्तन की स्थिति भी भारी अनिश्चितता पैदा कर सकती है।

बापू के सिद्धांतों को नए अंदाज में पेश करती फिल्में, अहिंसा और सत्याग्रह की कहानियां जो आज भी करती हैं प्रेरित

मुंबई/एजेन्सी

शांति, अहिंसा और सर्वोदय के संदेश के साथ देश भर में शहीद दिवस या सर्वोदय दिवस मनाया जाता है। गांधीजी के जीवन, सिद्धांतों और विचारों ने न केवल भारत को आजादी दिलाई, बल्कि पूरी दुनिया को अहिंसा का मार्ग दिखाया। भारतीय सिनेमा ने उनके इन आदर्शों को विभिन्न तरीकों से पेश किया है। कुछ फिल्में उनकी जीवनी पर आधारित हैं, तो कुछ ने नए अंदाज में उनके सिद्धांतों को आज के समाज से जोड़ने का काम किया है। ये फिल्में गांधीजी के सिद्धांतों को अलग-अलग रूपों में पेश करती हैं, कभी ऐतिहासिक, कभी मजाकिया तो कभी चिंतनपूर्ण। आज की पीढ़ी को इनसे प्रेरणा मिल सकती है कि अहिंसा और सत्य आज भी प्रासंगिक हैं। गांधीजी का संदेश सिनेमा के जरिए नई पीढ़ी तक पहुंच रहा है। 'मोहनदास' से 'बापू' तक की झलक दिखाने वाली ये फिल्में दर्शकों को गांधीजी के विचारों से जोड़ती हैं और आज के समय में उनकी प्रासंगिकता बताती हैं। इन फिल्मों की लिस्ट में साल 1982 में आई 'गांधी' से लेकर

2006 की 'लगे रहो मुन्ना भाई' तक शामिल हैं। साल 2007 में रिलीज हुई थी 'गांधी मेरे पिता' फिल्म, फिरोज अब्बास खान के निर्देशन में बनी फिल्म में अक्षय खन्ना, दर्शन जरिवाला, शेफाली शाह और भूमिका चावला मुख्य कलाकार के तौर पर हैं। फिल्म गांधीजी और उनके बेटे हरिलाल के बीच तनावपूर्ण रिश्ते पर केंद्रित है। पिता-पुत्र संबंध, गांधीजी के सिद्धांतों का परिवार पर प्रभाव और व्यक्तिगत संघर्ष को इसमें दिखाया गया है। कॉमेडी-ड्रामा लगे रहो मुन्नाभाई साल 2006 में रिलीज हुई थी। गांधीजी के सिद्धांतों को मजेदार और नए अंदाज में पेश करती फिल्म के निर्देशक राजकुमार हिरानी हैं। वहीं, संजय दत्त, अरशद वारसी, विद्या बालन मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म के जरिए दिखाया गया कि कैसे एक गुंडा गांधीजी के विचारों से प्रभावित होकर सत्य, अहिंसा और प्रेम से जीवन बदल लेता है। फिल्म आज के समाज में गांधीवाद की प्रासंगिकता दिखाती है।'मैंने गांधी को नहीं मारा' जाहनु बरुआ की फिल्म है, जो साल 2005 में रिलीज हुई थी। अनुपम खेर के साथ उर्मिला मातोंडकर इसमें लीड रोल में हैं। यह अल्जाइमर से पीड़ित व्यक्ति की कहानी है, जो मानता है कि उसने गांधीजी को मारा। यह गांधीजी की हत्या का सामाजिक प्रभाव और उनके सिद्धांतों की याद दिलाती फिल्म है, जो गांधीजी के विचारों को आज के संदर्भ में जोड़ती है।

'हे राम' फिल्म साल 2000 में रिलीज हुई थी, जिसका निर्देशन करने के साथ ही लेखन और अभिनय भी कमल हासन ने किया। फिल्म में शाहरुख खान, रानी मुखर्जी, हेमा मालिनी और नसीरुद्दीन शाह अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म विभाजन, डायरेक्ट एक्शन डे और गांधीजी की हत्या की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह गांधीजी के विचारों पर गहरा चिंतन कराती है।

निपाह वायरस से जानलेवा संक्रमण, मृत्यु दर 40-75 फीसदी हो सकती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न। भारत में निपाह वायरस का प्रसार कई एशियाई देशों के लिए चिंता का विषय बन गया है। इस महीने पश्चिम बंगाल में कम से कम दो लोगों की निपाह वायरस से मौत के बाद थाईलैंड, मलेशिया और सिंगापुर ने नए परीक्षण उपाय लागू किए हैं। मानव में इसके संक्रमण से मृत्यु दर 40 से 75 प्रतिशत तक हो सकती है, जिससे यह वायरस अत्यंत घातक माना जाता है। निपाह वायरस हेनिपावायरस परिवार का हिस्सा है, जिसमें हींद्रा वायरस भी शामिल है। यह जूनोटिक वायरस है, यानी यह जानवरों से इंसानों में फैल सकता है। इसका संक्रमण मुख्य रूप से तीन तरीकों से होता है। पहला तरीका जानवरों से मनुष्यों में संक्रमण है, खासकर चमगादड़ों के संपर्क से। संक्रमित चमगादड़ों की लार, मूत्र या मल के जरिए वायरस फैल सकता है। 1998 में मलेशिया के पहले प्रकोप में सूअरों से संक्रमण फैला था।

दूसरा तरीका संक्रमित भोजन के जरिए है, विशेषकर खजूर के पेड़ (डेट पाम) से बने उन उत्पादों के सेवन से जो संक्रमित हों। यदि चमगादड़ों की लार, मूत्र या मल से ये उत्पाद संक्रमित हो जाएं तो वायरस फैल सकता है। तीसरा तरीका मानव से मानव संक्रमण है, हालांकि यह कम सामान्य है। यह सीधे संपर्क या मरीज की देखभाल के दौरान, जैसे कि घर या अस्पताल में संक्रमित व्यक्ति की लार, मूत्र या मल के संपर्क से हो सकता है। संक्रमण के चार दिन से तीन सप्ताह के भीतर लक्षण प्रकट हो सकते हैं। निपाह वायरस का संक्रमण बहुत गंभीर हो सकता है, विशेषकर जब यह दिमाग में सूजन (एन्सेफलाइटिस) पैदा करता है। इसके कारण मृत्यु दर बहुत अधिक होती है। इस वायरस के संक्रमण के आम लक्षणों में बुखार, तेज सिरदर्द, दौरे, सांस लेने में कठिनाई, बेहोशी, किसी अंग को हिलाने में असमर्थता, झटके या असामान्य मांसपेशी गतिविधियां और अचानक व्यवहार में बदलाव शामिल हैं। कुछ मरीज जो प्रारंभिक संक्रमण से बच जाते हैं।

दर्शन

तिरुवनंतपुरम में शुक्रवार को भारतीय पुरुष टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव, टीम के साथी वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और रिंकू सिंह के साथ तिरुवनंतपुरम में श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर के दर्शन के दौरान।

'कोहरा 2' से मोना सिंह ने लिया जिंदगी का सबक

मुंबई/एजेन्सी

अभिनय की दुनिया में किसी किरदार को जीते-जीते कलाकार कई बार खुद को भी नए सिरे से समझने लगते हैं। अभिनेत्री मोना सिंह के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। वेब सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन पर काम करते हुए मोना ने जिंदगी से जुड़ी कई अहम सीख हासिल की। इसे लेकर उन्होंने आईएएनएस से खुलकर बात की। मोना सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ''कोहरा का दूसरा सीजन मेरे लिए सिर्फ एक नई भूमिका नहीं थी, बल्कि यह मेरे निजी जीवन से भी गहराई से जुड़ गया। इस कहानी ने मुझे यह समझने में मदद की कि इंसान कितना संवेदनशील होता है और कैसे हर कोई अपनी-अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ रहा होता है। इस सीरीज पर काम करते हुए मुझे यह एहसास हुआ कि हर चीज पर नियंत्रण रखना न तो संभव है और न ही जरूरी।'' मोना ने कहा, ''इस सीरीज से मुझे सबसे बड़ा सबक यह मिला कि जिंदगी में कई बार चीजों को छोड़ देना ही सही रास्ता होता है। जिन बातों, हालातों या भावनाओं का अब कोई मतलब नहीं रह जाता, उन्हें पकड़े रहना खुद को दुख देने जैसा है। हालात जैसे भी हों, उन्हें स्वीकार करना और आगे बढ़ जाना ही मानसिक शांति की कुंजी है। यही सीख मेरे लिए इस सीरीज की सबसे बड़ी देन बन गई।'' 'कोहरा 2' में मोना सिंह की एंट्री कहानी को एक नया मोड़ देती है। इस बार दर्शकों को एक और गहरी, अंधेरी और रहस्यमयी कहानी देखने को मिलेगी। मोना के साथ इस सीजन में बरुन सोबती और रणविजय सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'कोहरा 2' की कहानी इस बार जगराना से आगे बढ़ते हुए दलेरपुरा पहुंचती है, जहां माहौल पहले से ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी है। एएसआई अमरपाल गरूंडी का तबादला दलेरपुरा पुलिस स्टेशन में हो जाता है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण मोना सिंह हैं, जो गरूंडी की नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका निभा रही हैं। दोनों का काम करने का तरीका अलग है, सोच अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही है सच तक पहुंचना।

जैसे-जैसे वे एक हत्या के मामले की परतें खोलते हैं, वैसे-वैसे उनके अपने अतीत से जुड़े कई दबे हुए राज भी सामने आने लगते हैं। पंजाब की पृष्ठभूमि में बुनी गई यह कहानी धीमी रफ्तार में आगे बढ़ती है, लेकिन हर मोड़ पर असर छोड़ती है। यह सीजन 11 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

जब 'बिग ब्रदर' का खिताब जीतकर शिल्पा ने विदेश में लहराया भारत का परचम

मुंबई/एजेन्सी

आज से 19 साल पहले 29 जनवरी 2007 का दिन भारतीय मनोरंजन जगत के साथ ही पूरे देश के लिए ऐतिहासिक रहा, जब एक भारतीय अभिनेत्री ने विदेशी मंच पर संघर्ष, धैर्य और गरिमा से जीत हासिल की। इसी दिन अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने ब्रिटेन के रियलिटी शो 'बिग ब्रदर' का खिताब जीतकर भारत का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया था। इस जीत ने न सिर्फ शिल्पा को इंटरनेशनल लेवल पर पहचान दिलाई, बल्कि वह नस्लवाद के खिलाफ एक मजबूत आवाज भी बनीं। नस्लीय टिप्पणी, संघर्ष और शोर-शराबा के बीच शिल्पा शेट्टी ने शो में मजबूती के साथ हिस्सा लिया और बेहतरीन प्रदर्शन किया। शो के दौरान हुए विवाद ने ब्रिटेन में नस्लवाद पर बहस छेड़ दी और कई बदलाव लाए।

इस सीजन में शिल्पा शेट्टी के साथ इंग्लैंड और अमेरिका की कई हस्तियां शामिल हुई थीं, जिनमें माइकल जैक्सन के भाई जर्मेन जैक्सन और पॉप सिंगर इयान वाटकिंस जैसी शख्सियतें भी थीं। शो के दौरान शिल्पा को नस्लीय टिप्पणियों और अपमानजनक व्यवहार का भी सामना करना पड़ा। ब्रिटिश हस्ती जेड गुडी और उनके साथियों ने शिल्पा के साथ भेदभावपूर्ण बर्ताव किया, जिसे दुनिया भर में नस्लवाद के रूप में देखा गया। इन घटनाओं के कारण ब्रिटेन में भारी विवाद हुआ था। शो की लोकप्रियता बढ़ी और शिल्पा के समर्थन में बड़ी संख्या में लोग आगे आए थे। उनकी लोकप्रियता इतनी बढ़ गई कि फाइनल में शिल्पा को 67 प्रतिशत पब्लिक वोट मिले और वह जीत हासिल करने में सफल रहीं। 31 साल की उम्र में बड़ी सफलता हासिल करने वाली शिल्पा जब घर से बाहर निकलीं तो आतिशबाजी और चीयर करती प्रशंसकों ने उनका जोरदार स्वागत किया था।

मल्लिका शेरावत मशहूर ड्रमर डेव मोरेनो से ले रही हैं ड्रम सीखने की खास ट्रेनिंग

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा से लेकर विदेश में अपने अभिनय का परचम लहरा चुकी अभिनेत्री मल्लिका शेरावत अपने काम के साथ-साथ नए-नए शौक बनाए रखने की ख्वाहिश रखती हैं। अब वे एक और नए शौक की ओर मुड़ गई हैं। अभिनेत्री ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में मल्लिका शेरावत मशहूर ड्रमर डेव मोरेना से ड्रम बजाना सीख रही हैं। वीडियो में वे उत्साह के साथ डेव से कहती हैं, मुझे भी ड्रम बजाना सीखाएं। इसके बाद वे ड्रम स्टिक्स हाथ में पकड़े हुए हैं और डेव मोरेनो के साथ ट्रेनिंग ले रहे हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, महान ड्रमर डेव मोरेनो से ड्रम बजाने की ट्रेनिंग ले रही हूं। बता दें कि डेव मोरेनो जाने माने अमेरिकी ड्रमर, संगीतकार, गीतकार और निर्माता हैं, जो मुख्य रूप से ब्रूस डिकिंसन और पडल ऑफ मड बैंड के साथ काम करने के लिए प्रसिद्ध हैं। वे लॉस एंजेलिस में अपना स्टूडियो चलाते हैं और लोगों को ड्रम सिखाने का भी काम करते हैं।

अभिनेत्री का यह पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर अभिनेत्री की तारीफ कर रहे हैं। अभिनेत्री अक्सर नए-नए पैशन को भी अपनाती रहती हैं। पहले वे योगा और फिटनेस को लेकर एक्टिव रहती थीं, अब ड्रम बजाना उनका नया शौक बन गया है। मल्लिका शेरावत ने काफी समय तक बॉलीवुड में काम करने के बाद हॉलीवुड की तरफ रुख किया। उन्होंने वहां के कई प्रोजेक्ट्स में काम किया है। अभिनेत्री ने हॉलीवुड में ग्लोबल सुपरस्टार ब्रूनो मार्स के साथ म्यूजिक वीडियो में कैमियो रोल से कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने हॉलीवुड की फिल्म 'द मिथ', 'पॉलिटिक्स ऑफ लव', और 'टाइम रेडर्स' में भी काम किया और विदेश में अभिनय का लोहा मनवाया है। इसके बाद उन्होंने राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के साथ फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' से बॉलीवुड में वापसी की थी। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई थी, लेकिन फैंस अभिनेत्री की वापसी से काफी खुश थे।

'बॉर्डर-2' में रोल मिलने पर खुशी से रो पड़ी थी मेधा राणा

मुंबई/एजेन्सी

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म 'बॉर्डर-2' बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म में लीड रोल्स की चर्चा हर कोई कर रहा है, लेकिन फिल्म में मेधा राणा ने भी महत्वपूर्ण रोल प्ले किया है। मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का रोल प्ले किया है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनेत्री खुद एक आर्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं और वे उस डर और इमोशंस को जी चुकी हैं, जिन्हें फिल्म में दिखाया गया है। 'बॉर्डर-2' जैसी फिल्म में सेलेक्ट होने के अनुभव पर मेधा राणा ने आईएएनएस से कहा, जब मुझे पहली बार कॉल आया तो मैं खुशी से रो पड़ी थी। फिल्म के लिए मैंने कई राउंड ऑडिशन दिए थे और कास्टिंग डायरेक्टर छाबड़ा सर ने मुझे बुलाकर सामने से बताया था कि मैं सेलेक्ट हो चुकी हूं। वो पल मेरे लिए सबसे प्यारा था और खुशी के मारे मैं बहुत रोई थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी फिल्म में मुझे काम करने का मौका मिलेगा।

अब काम करने के बाद खुद पर धीरे-धीरे यकीन कर पा रही हूं। फिल्म में मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का किरदार निभाया है। अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, ये किरदार इमोशनली बहुत स्ट्रांग था क्योंकि ये उन पत्नियों की हिम्मत को दिखाता है, जिन्होंने देश के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। जब मुझे पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए दी गई तो मैं समझ गई कि किरदार बहुत सारी जिम्मेदारी और इमोशंस के साथ आता है।

अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरे परिवार की तीन पीढ़ियों ने आर्मी में सेवा दी है और मेरे पापा आज भी सेवाएं दे रहे हैं और यही कारण है कि इस फिल्म को पूरी जिम्मेदारी से निभाना मेरा फर्ज था। हमने भी उन इमोशंस को जिया है, जो फिल्म में पर्दे पर दिखाए गए हैं। 'बॉर्डर-2' में 'बॉर्डर' से अलग क्या देखने को मिलेगा के सवाल पर मेधा ने बताया कि हर फिल्म का किरदार अलग है और इमोशन और हिम्मत से भरा है। फिल्म में प्यार, इमोशन, फैमिली, और हिम्मत को दिखाया गया है क्योंकि नहीं पता कि वापस कब लौट पाएंगे। चारों किरदार अलग हैं, लेकिन चारों कहानी ही पूरी फिल्म को बनाती हैं। फिल्म को लेकर खुद को तैयार करने के सवाल पर मेधा ने बताया कि जो मेरा किरदार है, वो मेरी नानी पहले जी चुकी हैं, क्योंकि 1971 के समय मेरी मां का जन्म हुआ था और नाना की पोस्टिंग बांग्लादेश में थी। मेरी नानी ने मुझे बहुत सारी कहानियां और टिप्स भी दीं, जिससे मुझे फिल्म के किरदार को निभाने में बहुत मदद मिली। वरुण धवन के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर मेधा ने कहा, उनके साथ काम करके बहुत मजा आया और शूटिंग के समय काफी कुछ सीखने को मिला। सेट पर पहला दिन काफी नर्वसनेस के साथ बीता था, लेकिन वरुण ने काफी मदद की।

खेल को भोजन की तरह रोज़मर्रा की आदत बनाइए : रीथ अब्राहम

जीतो लेडीज विंग का 30 दिवसीय 'फिटनेस फिएस्टा' सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो लेडीज़ विंग साउथ द्वारा माहभर चले फिटनेस एवं वेलनेस अभियान 'फिटनेस फिएस्टा' का समापन गुरुवार को हुआ। इस अवसर पर 'फिटनेस–मिथ एंड मिस्ट्री' विषय पर आयोजित विशेष सत्र ने उपस्थित सदस्यों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया।लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हमने फिटनेस फिएस्टा में जीतो के उद्देश्यों की पूर्ति करते हुए स्वास्थ्य सेवा, ज्ञान जागरूकता और महिलाओं के पुनरउत्सर्जन का कार्य किया। जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने कहा कि लेडीज़ विंग व प्रतिभागियों की निरंतर व सक्रियता ने ही फिटनेस फिएस्टा को ऐतिहासिक सफलता दिलाई। अपेक्स डायरेक्टर नरेंद्र सामर ने कहा कि स्वास्थ्य जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और इस दिशा में जीतो लेडीज़ विंग द्वारा किए जा रहे प्रयास प्रेरणादायक हैं। केकेजी संयोजिका पिंकी जैन ने भी कार्यक्रम की सराहना की। ङङ कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित 'अर्जुन पुरस्कार' विजेता रीथ अब्राहम ने अपने संघर्षपूर्ण खेल जीवन की जानकारी साझा करते हुए कहा कि खेल में थकान ज़रूर होती थी, लेकिन कभी शिकायत नहीं की, क्योंकि जब आप अपने काम से प्यार करते हैं, तो थकान भी आनंद बन जाती है। अगर शरीर स्वस्थ है, तभी हम अपने जीवन की हर उपलब्धि का असली आनंद ले सकते हैं। खेल को भोजन की तरह रोज़मर्रा की आदत बनाइए, जैसे हम एक दिन भी खाना नहीं छोड़ते, वैसे ही व्यायाम भी न छोड़ें। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित ऐज़ इट इज न्यूट्रीशन के संस्थापक अरविंद मांडोत ने आधुनिक फिटनेस ट्रेंड्स को जैन दर्शन से जोड़ते हुए कहा, आज जिसे हम डाइट, डिटॉक्स और डिसिप्लिन कह रहे हैं, वह सब हमारे जैन शास्त्रों में हजारों साल पहले बताया गया है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब वह फैशन बन गया है। उन्होंने उपवास को अनशन, सीमित आहार को उन्नोदरी, इंद्रिय संयम को प्रतिसंलीनता, व्यायाम को काया क्लेश और तैलीय पदार्थों के त्याग को रस परित्याग से जोड़ते हुए समझाया कि यह केवल शरीर नहीं, आत्मा की शुद्धि की प्रक्रिया भी है। ङसंयोजिका संगीता सियाल ने कार्यक्रमों के प्रायोजकों का परिचय दिया। इस मौके पर आयोजित पैनल चर्चा में मैराथन कोच दर्शन जैन, न्यूट्रिशन विशेषज्ञ अरविंद जैन, एशियन मेडलिस्ट खिलाड़ी रीथ अब्राहम और न्यूट्रिशनिस्ट मोक्षा सोलंकी ने विभिन्न चरणों में अनेक विषयों पर चर्चा की। मुख्य प्रायोजक ऐज़ इट इज न्यूट्रीशन द्वारा शीर्ष पाँच विजेताओं सहित सभी 40 प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस मौके पर जीतो चैप्टरों, अपेक्स व केकेजी जोन के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।लेडीज़ विंग की उप चेयरपर्सन लता बोहरा, कोषाध्यक्ष संगीता पारख, सहमंत्री साक्षी नाहर व चंद्रा जैन सहित अस्मिता चौहान, संगीता सियाल, अंगिका बाफना, नीतू गुलेच्छा, कविता मुथा, हेमा सोलंकी एवं रेखा जैन ने महीने भर चले इस कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली। महासचिव निधि पालरेचा ने समापन सत्र का संचालन किया। संयुक्त सचिव साक्षी नाहर ने धन्यवाद दिया।

आने वाले बजट से आम व्यक्ति की उम्मीदें और क्या कहता है इकोनॉमिक सर्वे-2026?

सीए. डॉ. सुनील शर्मा, मुम्बई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। जैसे–जैसे बजट–2026 का दिन 1 फरवरी करीब आ रहा है, उम्मीदें केवल कॉर्पोरेट बोर्डरूम में ही नहीं, बल्कि भारत के हर घर में बढ़ रही हैं। उद्योगपतियों, व्यवसायियों, वेतनभोगी करदाताओं और घर खरीददारों से लेकर छोटे निवेशकों, पेंशनभोगियों और वरिष्ठ नागरिकों तक हर आम व्यक्ति यह उम्मीद कर रहा है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन केंद्रीय बजट पेश करते समय राहत, सरलता और दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा प्रदान करेंगी।

संसद में आर्थिक सर्वे 29 जनवरी 2026 को पेश हो चुका है और अब पूरा फोकस इस बात पर है कि सर्वे में खींची गई तस्वीर को वित्त मंत्री बजट में कितनी मजबूती या नई दिशा देती हैं। आर्थिक सर्वे ने एक तरफ जीडीपी ग्रोथ, महंगाई, रोजगार और राजकोषीय घाटे के मोर्चे पर सरकार के प्रदर्शन और चुनौतियों का लेखा–जोखा रखा, तो दूसरी तरफ इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च बढ़ाने के संकेत भी दिए हैं। आर्थिक सर्वेक्षण–2026 के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2027 (वित्तीय वर्ष 26–27) में 6.8% से 7.2% की दर से बढ़ने का अनुमान है, जिसे मजबूत माइक्रो फंडामेंटल्स और निरंतर विनियामक सुधारों से समर्थन मिल रहा है। सर्वेक्षण में यह भी संकेत दिया गया है कि वित्त वर्ष 2027 में 'कोर' और 'हेडलाइन' मुद्रास्फीति दरें पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ी अधिक रह सकती हैं, हालांकि इसे चिंता का विषय नहीं माना गया है। राजकोषीय मोर्चे पर, नवंबर–2025 तक भारत का राजकोषीय घाटा बजटीय अनुमानों का 62.3% रहा है, और सरकार ने वित्त वर्ष–2026 तक इसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.4% के लक्ष्य तक लाने का संकल्प दोहराया है और ये आंकड़े देश के सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन और आर्थिक स्थिरता को दर्शाते हैं।

जहां तक आम आदमी की उम्मीदों का सवाल है, प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि उस पर टैक्स का भार कम से कम पड़े फिर भी यदि हम आम आदमी एवं आम निवेशक के दृष्टिकोण से देखें तो यदि बजट–2026 लंबी अवधि के निवेश पर टैक्स के बोझ को कम करता है और विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों के बीच समानता लाता है, तो इससे निवेशकों के विश्वास को फिर से जगाया जा सकता है। इसलिए, आम आदमी को लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) में राहत की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, बजट–2026 से जीवन, स्वास्थ्य और एमएसएमई क्षेत्रों में व्यापक बीमा कवरेज को समर्थन मिलने की उम्मीद है। ऋण तक आसान पहुंच, सरलीकृत केवाईसी और डिजिटल लेंडिंग के स्पष्ट नियम बीमा प्रीमियम फाइनेंसिंग को मुख्यधारा में ला सकते हैं। टैक्स में स्पष्टता या बेहतर कटौती (डिडक्शन्स) भी परिवारों को पर्याप्त बीमा कवर लेने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है, क्योंकि नई कर व्यवस्था में बीमा के लिए मिलने वाली कटौतियों को हटा दिया गया है, जिन्हें किसी न किसी रूप में बहाल करने की आवश्यकता है।

केंद्रीय बजट 2026–27 में आम आदमी एवं मध्यम वर्ग के लिए होम लोन के ब्याज पर मिलने वाली धारा 24(ल) के तहत छूट की सीमा को 2 लाख रु से बढ़ाकर 5 लाख रु करने की प्रबल मांग है, ताकि बढ़ती ब्याज दरों और घर की कीमतों के बीच खरीदारों को राहत मिल सके। इसके साथ ही बेंगलूरु और पुणे जैसे उभरते शहरों को 'मेट्रो' की श्रेणी में शामिल करने और एचआरए छूट की सीमा बढ़ाने की उम्मीद भी है ताकि शहरी क्षेत्रों में बढ़ते किराये के बोझ को कम किया जा सके। ऐसा भी मानना है कि यदि सरकार इस बजट में सभी करदाताओं के लिए एक 'कॉमन आईटीआर फॉर्म' और रियल–टाइम इनकम टैक्स रिफंड जैसी व्यवस्था लागू करती है, तो इससे न केवल टैक्स फाइलिंग सरल होगी बल्कि आम वेतनभोगियों के पास निवेश और खर्च के लिए अधिक नकदी उपलब्ध होगी, जिससे अर्थव्यवस्था में भी उपभोग को बढ़ावा मिलेगा। जन साधारण की उम्मीदें हैं कि आयकर की न्यूनतम सीमा को भी बढ़ाया जाएगा और न्यू टैक्स रेजीम को भी और अधिक आकर्षक बनाने के कुछ कदम वित्तमंत्री उठाएंगी। साथ ही यह भी उम्मीद है कि धारा 80–उ एवम 80–ऊ में मिलने वाली छूट, जिसकी सीमा लगभग पिछले 10–12 साल से स्थिर है, उसे भी बढाकर न केवल करदाताओं को टैक्स में राहत दी जाएगी बल्कि इस से बचत बढ़ेगी एवं स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र को भी लाभ पहुँचेगा। वेतनभोगी करदाताओं के लिए स्टैण्डर्ड डिडक्शन को भी बढ़ाया जाना चाहिए।

केंद्रीय बजट–2026 अब अपनी तैयारी के अंतिम चरण में है, जो आने वाले वित्तीय वर्ष के लिए विकसित भारत की दिशा एवं गति तय करेगा, इसलिए आम आदमी की निगाहें न सिर्फ टैक्स स्लैब या फिर टैक्स से होने वाली बचत पर है, बल्कि वितीय एवं आर्थिक क्षेत्र में होने वाले सुधारों पर भी है, साथ ही बढ़ती महंगाई, अस्थिर अंतर्राष्टीय आर्थिक परिप्रेक्ष्य, बाजारों में अनिश्चितता के बीच प्रत्यक्ष एवम परोक्ष रूप से राहत की भी आकांक्षा रखता है।

समाजहित, धर्म, मानवसेवा के कार्य करने वालों की अनुमोदना होनी चाहिए : उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनि

संतों ने रांका परिवार की सेवा भावना की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के के बसवनगुड़ी वीवीपुरम स्थित महावीर जैन धर्मशाला में शुक्रवार को अशोक कुमार महेंद्र कुमार रांका के नूतन आवास उद्घाटन के मौके पर उपप्रवर्तक श्री नरेश मुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, नवदीक्षित मुनि हार्दिक मुनिजी, साध्वीश्री सत्यप्रभाजी, सुप्रभाजी, डॉ प्रतिभाश्रीजी का मंगल पर्दापण हुआ। इस प्रसंग पर उपप्रवर्तक श्री नरेश मुनिजी ने रांका परिवार की गुरु भक्ति, सेवा समर्पण भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि जीवन का सच्चा सुख त्याग में है। कृपण की नहीं, दानी, त्यागी की महिमा गाई जाती है। कंजूस, कृपण को कोई याद नहीं करता है। मुनिश्री ने कहा कि जो भी समाज हित में, धर्म क्षेत्र में, अच्छे कार्य करते हैं और दान, सेवा, साधार्मिकों के जीवन को ऊंचा उठाने में पुण्यवानी से प्राप्त लक्ष्मी को सद्व्यय करता है वह हमेशा अनुमोदनीय होता है। उन्होंने आगे कहा, भौतिक सुख की तुलना आक के दूध एवं चूने से की व आध्यात्मिक सुख की तुलना क्रमशः गाय, भैंस के दूध से एवं मक्खन से करते हुए कहा कि दोनों में संज्ञा दूध की है लेकिन गुणधर्म अलग अलग है। भौतिक सुख क्षणिक है। समय,काल, परिस्थिति के अनुसार भौतिक सुख बदलता रहता है लेकिन आत्मा का आध्यात्मिक सुख हमेशा एक जैसा रहता है। मुनिश्री ने महेन्द्र–मीना रांका को उनके विवाह की 30वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को आजीवन शील व्रत के प्रत्याख्यान ग्रहण करवाए तथा युवा दम्पत्ति को क्रमशः आदर्श सुश्रावक रत्न एवं आदर्श सुश्राविका रत्न की उपाधि से अलंकृत किया। इस अवसर पर श्री शालिभद्रमुनिजी, साध्वीश्री सुप्रभाजी, डॉ श्री प्रतिभाश्रीजी, तरुणशीलाजी, आस्थाश्रीजी ने भी रांका परिवार की गुरु भक्ति को सराहते हुए सेवा के कार्यों में निरन्तर आगे बढ़ते रहने का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम का संचालन आराधना केन्द्र के महामंत्री महावीर चंद मेहता ने किया। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आत्मा की उन्नति और शांति का प्रतीक होता है ध्वज : साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एवेन्यू रोड स्थित श्री मुनिसुव्रत स्वामी राजेंद्र सूरीश्वर जैन गुरुमंदिर में ध्वजारोहण के प्रसंग पर शुक्रवार को साध्वीश्री भव्यगुणाजी ने कहा कि ध्वजारोहण एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। इसमें मंदिर के शिखर पर ध्वज चढ़ाया जाता है, जो आत्मा की उन्नति और शांति का प्रतीक होता है। साध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि जैन धर्म में ध्वजारोहण एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, जिसमें ध्वज को ऊंचा चढ़ाया जाता है, जो ज्ञान, शांति और विजय का प्रतीक होता है। प्रकाश हिराणी ने बताया कि आज आचार्यश्री जयंतसेन सूरीश्वरजी का पाटोत्सव दिवस है।

संघ के अध्यक्ष भंवरलाल कटारिया ने गुरुदेव के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। ओटमल जैन, राजेश गांधीमुथा, गौतमचंद जैन सहित महिला परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमाबाई गांधीमुथा ने गुरुदेव के गुणों के बारे में बताया।ङध्वजारोहण कार्यक्रम का लाभ मनोहरमल थानमल भंडारी परिवार, गुरुदेव राजेन्द्रसूरी की कायमी ध्वजा का लाभ पानीदेवी हस्तीमल सोलंकी परिवार ने लिया। संघ की ओर से लाभार्थियों का सम्मान किया गया।

संघ व ट्रस्ट मंडल के सदस्यों ने दीप प्रज्ज्वलन कर गुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण किया। मुनिसुव्रत महिला मंडल ने सत्तरह भेदी पूजन पढाई गई। प्रवीण गुरु ने विधि विधान कराया।

जेवाईएस ने पुलिस आयुक्त को दिया महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव का आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन युवा संगठन(जेवाईएस) के सदस्यों ने शुक्रवार को बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें 31 मार्च को फ्रीडम पार्क में आयोजित होने वाले भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव में अतिथि के रूप में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

संगठन के अध्यक्ष मुकेश सुराणा ने पुलिस आयुक्त को संगठन की विचारधारा, उद्देश्य और सामाजिक–धार्मिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उपाध्यक्ष रितेश पामेचा ने इस वर्ष आयोजित होने वाले महावीर जन्म कल्याणक कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। पुलिस एवं सुरक्षा व्यवस्था के चेयरमैन महावीर दक ने पुलिस आयुक्त से व्यवस्थाओं में सहयोग मांगा और उनको मिलने का समय देने के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर संगठन के पूर्व अध्यक्ष महावीर मुणोत, पूर्व कोषाध्यक्ष संतोष डूंगरवाल, आतिश धोका, पुलिस एवं सुरक्षा व्यवस्था समिति के सह चेयरमैन आशीष समदड़िया, रितेश धोका आदि उपस्थित थे।

यशवंतपुर में निशुल्क सर्वाइकल कैंसर जांच शिविर 4 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में यशवंतपुर महिला मंडल द्वारा वर्ल्ड कैंसर डे पर निशुल्क सर्वाइकल कैंसर टेस्ट का आयोजन 4 फरवरी को किया जा रहा है। उस उपलक्ष्य में कैंसर कैंप के बैनर का अनावरण मुख्य अतिथियों व पदाधिकारियों ने किया। अध्यक्ष रेखा पितलिया ने सभी का स्वागत किया। पूर्व अध्यक्ष मीनाक्षी दक ने सभी को सर्वाइकल कैंसर के इस कैंप में अपनी जांच कराने की प्रेरणा दी।

कर्नाटक कैंसर सोसायटी की सचिव डॉ आर. नागरत्ना ने सर्वाइकल कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर के बारे में जानकारी दी। मुख्य अतिथि के रूप में कांठा प्रांत के अध्यक्ष गौतम मुथा व प्रायोजक महावीर गन्ना आदि ने बैनर का अनावरण किया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष पद्मा सुराणा, परिषद के अध्यक्ष धर्मेश डूंगरवाल , सभा के मंत्री अनिल दक, मंदिर संप्रदाय की अध्यक्ष फुलवाबाई नाहर, मृगावती मंडल की अध्यक्ष मीनाक्षी मुणोत आदि उपस्थित थी। संयोजिका प्रीति मुथा ने शिविर की जानकारी दी। संचालन मंत्री टीना पितलिया ने किया। प्रिया डूंगरवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सीटू ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के मसौदा श्रम नियमों को कठोर बताया

बेंगलूरु/नई दिल्ली। हाल में लागू की गयी श्रम संहिता के तहत कर्नाटक सरकार द्वारा तैयार मसौदा नियमों पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) से संबद्ध श्रमिक संगठन सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू)' ने निशाना साधते हुए दावा किया है कि इसके प्रावधान 'कठोर' और 'प्रतिगामी' हैं। सीटू महासचिव ई करीम ने यहां एक प्रेसवार्ता में कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार द्वारा मसौदा नियमों को तैयार करने में दिखाई गई जल्दबाजी' पर सवाल उठाते हुए कहा कि यहां तक कि भाजपा शासित कई राज्यों ने अभी तक इस संबंध में नियम नहीं बनाये हैं। करीम ने कहा, ''इन नियमों को लाने में इतनी जल्दी क्या थी? कांग्रेस और उसके श्रमिक संगठन इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस (इंटक) ने श्रम संहिताओं का विरोध किया है।''

सीटू ने एक बयान में, कहा कि कर्नाटक सरकार द्वारा बनाए गए नियम कठोर शर्तें थोपते हैं, अवैध छूटें प्रदान करते हैं और ऐसी व्यापक शक्तियां प्रदान करते हैं जिन्हें केंद्रीय संहिता ने कभी अधिकृत नहीं किया है। बयान में कहा गया है, कर्नाटक मसौदा नियम (जनवरी 2026) केवल केंद्रीय अधिनियमों को लागू नहीं करते हैं। वे व्यवस्थित रूप से ऐसे प्रावधान लाते हैं जो स्वयं केंद्रीय संहिताओं से भी अधिक प्रतिगामी, मनमानापूर्ण और असंवैधानिक हैं, फलस्वरूप श्रमिकों के अधिकारों के लिए कहीं अधिक खतरनाक कानूनी ढांचा तैयार होगा। उसने इसे राज्य के विधायी शक्तियों का अतिक्रमण एवं संवैधानिक सुरक्षा का उल्लंघन करार दिया।

सीटू ने बृहस्पतिवार को घरेलू कामगारों के लिए कल्याणकारी कदमों के अनुरोध वाली एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत द्वारा की गयी टिप्पणी पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। प्रधान न्यायाधीश ने कहा था कि श्रमिक संगठन देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए काफी हद तक जिम्मेदार हैं।

बसवनगुड़ी जिनकुशल दादावाड़ी में मुमुक्षुद्वय का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में शुक्रवार को मुनिश्री मलयप्रभसागरजी व मुकुलप्रभसागर जी की निश्रा में मुमुक्षु द्वय का सम्मान किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, प्रवक्ता अरविन्द कोठारी, प्रकाश भंसाली, पुखराज कवाड़, महिला परिषद की अध्यक्षा आरती जैन, पवनी बाफना ने दोनों मुमुक्षुओं को तिलक लगाकर, माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने शुभकामनाएं दी। ङङट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि सूरत निवासी मुमुक्षु जिनल मरड़िया और हर्षिता देसाई की जैन भगवती दीक्षा सूरत में 14 मई को प्रतिष्ठाचार्य खरतर गच्छाधिपति आचार्यश्री जिन मणिप्रभसूरीश्वरजी और गच्छगणिनी साध्वी सुलोचनाश्रीजी की निश्रा में सम्पन्न होगी। मुमुक्षुद्वय ने साध्वीश्री प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी म. सा. के पास अध्ययन ग्रहण किया है। सम्मान समारोह में मलयप्रभसागरजी ने दोनों मुमुक्षुओं के संयम के प्रति दृढ़ भावना और संकल्प को भी जाना और उन्हें संयम जीवन पर आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दी।

दादवाड़ी ट्रस्ट की ओर से मुमुक्षुओं के माता और पिता का सम्मान किया गया। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

उत्सव

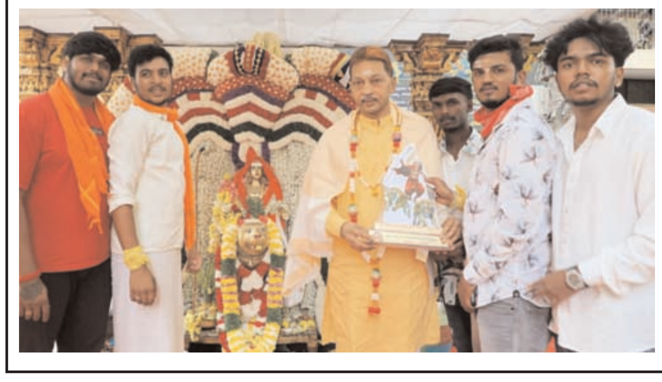

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मलै महादेश्वर स्वामी सेवा ट्रस्ट, बापूजीनगर द्वारा आयोजित श्री मलै महादेश्वर जात्रा उत्सव में मारुति मेडिकल के प्रमुख व समाजसेवी महेंद्र मुणोत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने महादेश्वर भगवान की पूजा कर जरूरतमंद बच्चों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

कडलूर में बुजुर्ग किसान को पेट्रोल डालकर आग लगाई

कडलूर। तमिलनाडु के कडलूर जिले में आपसी रंजिश की वजह से 70 वर्षीय एक किसान को दो व्यक्तियों द्वारा कथित तौर पर पेट्रोल डालकर जलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, पीड़ित किसान राजेंद्रन मालिगमपट्टू का रहने वाला है और फिलहाल अस्पताल में उसका उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि यह घटना 29 जनवरी की शाम करीब 6:50 बजे कदंपुलियूर गांव के पास उस समय हुई, जब राजेंद्रन एक दोपहिया वाहन पर पीछे बैठकर जा रहे थे।

इस बीच, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस घटना के वीडियो का हवाला देते हुए सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार की आलोचना की और राज्य की कानून–व्यवस्था पर सवाल उठाए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**